सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अगर भाग्य पर भरोसा है तो जो तकदीर में लिखा है वही पाओगे, और अगर खुद पर भरोसा है तो जो चाहोगे वही पाओगे।

03 दिल्ली पुलिस ने किया अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़

06 पढ़ाई में अव्वल, हुनर में पिछड़ते युवा

08 सोशल मीडिया का मोह - ऑर्गेनिक बनाम इनऑर्गेनिक ग्रोथ

वाहन मालिक हो जाएं सावधान!

ड्राइविंग लाइसेंस में इस तारीख तक कर लें मोबाइल नंबर अपडेट, नहीं तो लगेगा जुर्माना

संजय बाटला

पटना: सभी वाहन मालिक के लिए परिवहन विभाग ने एक अहम सूचना जारी कर दी है. इसके तहत वाहन के ड्राइविंग लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन से मोबाइल नंबर लिंक करने का आखिरी मौका दिया गया है. 31 मार्च तक डीएल और वाहन रजिस्ट्रेशन में मोबाइल नंबर अपडेट नहीं हुआ तो वाहन चालकों को जुर्माना भरना पड़ेगा.

नहीं मिलेगा प्रदूषण प्रमाण पत्र: वाहन रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट और ड्राइविंग लाइसेंस में आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर अपडेट किये बिना अब वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र और फिटनेस प्रमाणपत्र जारी नहीं किए जाएंगे. परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने बताया कि परिवहन विभाग द्वारा राज्य के सभी वाहन मालिकों को कॉन्टैक्टलेस सेवाओं का लाभ प्रदान करने के लिए आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर अपडेट करना अनिवार्य किया गया है.

मोबाइल से अपडेट, नहीं तो लगेगा जुर्माना: ड्राइविंग लाइसेंस और वाहन रजिस्ट्रेशन में मोबाइल नंबर अपडेट करने की अंतिम समय सीमा 31 मार्च निर्धारित की गई है. जिन वाहन चालकों और वाहन मालिकों ने अब तक डीएल और वाहन रजिस्ट्रेशन में लिंक्ड मोबाइल नंबर

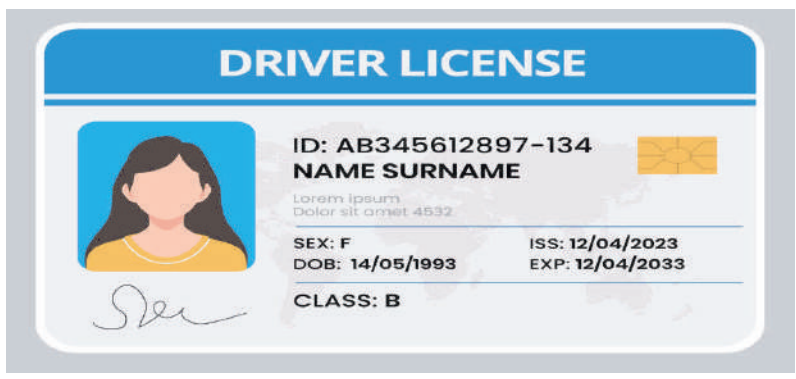

अपडेट नहीं किये हैं, वह 31 मार्च तक निश्चित रूप से अपडेट करा लें. नहीं तो उनसे जुर्माना लिया जाएगा. सितंबर 2024 से अब तक लगभग 32 हजार से अधिक लोगों ने वाहन रजिस्ट्रेशन में अपना आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर अपडेट करा लिया है.

वाहन सॉफ्टवेयर में किया जायेगा प्रावधान: परिवहन विभाग के इस निर्णय के तहत, वाहन सॉफ्टवेयर में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे, ताकि आधार लिंक्ड मोबाइल नंबर अपडेट होने के बाद ही प्रदूषण और फिटनेस प्रमाणपत्र जारी किए जा सकें. परिवहन सचिव संजय कुमार अग्रवाल ने अपील की है कि सभी वाहन मालिक जल्द से जल्द अपने आधार से जुड़े मोबाइल नंबर को अपडेट कराएं ऑनलाइन सेवाओं का लाभ उठा सकें.

24 लाख से अधिक वाहन का नंबर नहीं है अपडेट: विभागीय समीक्षा में पाया गया है कि साल 2014 से 2025 तक कुल लगभग 24 लाख वाहन मालिकों ने अपने आधार से जुड़े मोबाइल नंबर को अपडेट नहीं किया है. इसके कारण वे कॉन्टैक्टलेस सेवाओं का लाभ उठाने में असमर्थ हैं. अपडेट कराने की सुविधा परिवहन सेवा पोर्टल पर उपलब्ध है. नंबर अपडेट नहीं होने की स्थिति में संबंधित वाहन का प्रदूषण प्रमाणपत्र भी नहीं बना सकेंगे.

नहीं मिल पाएगी ई चालान की सूचना: कई ऐसे वाहन मालिक या वाहन चालक हैं, जिनके वाहन का रजिस्ट्रेशन और ड्राईविंग लाइसेंस के साथ लिंक मोबाइल नंबर और पता गलत या उपयोग में नहीं है. इसकी वजह से दुर्घटना और अन्य घटना की स्थिति में वाहन मालिक या चालक की पहचान में परेशानी होती है. वाहन रजिस्ट्रेशन से लिंक मोबाइल नंबर अपडेट नहीं होने से यातायात उल्लंघनकर्ताओं के मोबाइल पर निर्गत ई चालान की सूचना नहीं मिल पाती है.

कैसे कर सकते हैं ऑनलाइन अपडेट: वाहन रजिस्ट्रेशन या ड्राइविंग लाइसेंस बनाने के समय लिंक्ड मोबाइल नंबर अगर उपयोग में नहीं है या नया नंबर अपडेट करना चाहते हैं तो घर बैठे ही ऑनलाइन आसानी से मोबाइल नंबर अपडेट कर सकते हैं. वाहन रजिस्ट्रेशन में मोबाइल नंबर parivahan.gov.in पर और ड्राइविंग लाईसेंस में मोबाइल नंबर sarathi.parivahan.gov.in पर ऑनलाइन अपडेट कर सकते हैं. विशेष जानकारी के लिए https://state.bihar.gov.in/transport/ पर जाकर 'हाउ डू आई' क्लिक कर पूरी जानकारी ले सकते हैं।

अति विशेष सूचना

"परिवहन विशेष" हिन्दी दैनिक समाचार पत्र आर .एन .आई . द्वारा मान्यता प्राप्त करने के बाद से आपके द्वारा प्राप्त भरपूर सहयोग से मार्च में अपने 2 साल पूरे कर रहा है। इन दो सालों में समाचार पत्र को निष्पक्ष रूप से चलाने में आप सभी का भरपूर सहयोग रहा हैं जिसके लिए प्रशासनिक विभाग परिवहन विशेष आप सभी का दिल से आभार व्यक्त करता है और आशा करता है की भविष्य में भी आपका सहयोग हमारे साथ ऐसे ही बना रहेगा। इन दो सालों में समाचार पत्र को राष्ट्रीय स्तर पर सभी शहरों और जिलों तक पहुंचाने और वहां की सही और सच्ची खबरें हम तक पहुंचाने वाले रिपोर्टर्स का दिल से धन्यवाद।

आप सभी को यह जान कर खुशी होगी की "परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र" का द्वितीय वार्षिकी समारोह अप्रैल माह के अंतिम सप्ताह में सम्पन्न किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सड़को को जाम और दुर्घटनाओं से मुक्त करवाने के साथ दिल्ली को प्रदूषण मुक्त राज्य का उद्देश्य रखा गया है। इस समारोह में निम्नलिखित मुद्दों पर वाद- विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा

1. लेन ड्राइविंग कितनी अनिवार्य?"
2. "सड़क दुर्घटना से कैसे हो सकता हैं बचाव ?"
3. "दिल्ली को कैसे प्रदूषण मुक्त राज्य बनाया जा सकता है?"

वाद- विवाद प्रतियोगिता में हिस्सेदारी लेने वाले वक्ताओं के वक्तव्य के साथ परामर्शदाताओं से चर्चा भी इस समारोह में रखी जा रही है। इसके साथ इस आयोजन में भारत देश में निर्मित ई वाहनो, वीएलटीडी संयंत्र, एवम् अन्य उपयोगी स्टाल भी सब को आकृषित करने के लिए उपलब्ध होंगे। इस समारोह में

1. सबसे अच्छा विचार / तर्क और समाधान प्रदान करने वाले वक्ता को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा,
2. परिवहन क्षेत्र में अच्छा कार्य करने वाले संगठनों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा,
3. सड़क सुरक्षा के प्रति कार्य करने वाले संगठनों के पदाधिकारियों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा,
4. परिवहन विशेषज्ञों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा,
5. समाचार पत्र से अलग अलग राज्यों से जुड़े एंकर, वीडियो ग्राफर, रिपोर्टर्स, लेखक, ज्योतिषाचार्य, कवि एवम् सहायकों को सम्मानित किया जाएगा।

संजय कुमार बाटला
संपादक

परिवहन निगम की ओर से चारधाम यात्रा को लेकर अभी से तैयारी शुरू, 7 स्थानों पर बनेंगे अस्थायी बस स्टॉपेज

परिवहन विशेष न्यूज

चारधाम यात्रा को लेकर पुलिस, प्रशासन, परिवहन विभाग समेत अन्य विभागों ने तैयारी शुरू कर दी है। इसे लेकर परिवहन निगम ने बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी हो इसे लेकर बस स्टॉपेज बनाने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

रुड़की। चारधाम यात्रा को देखते हुए परिवहन निगम ने अभी से तैयारी शुरू कर दी है। परिवहन निगम की ओर से श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधाओं को देखते हुए कोर कॉलेज से लेकर नारसन बॉर्डर तक अस्थायी बस स्टॉपेज बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए कुछ संभावित स्थान भी चिह्नित किए गए हैं।

चारधाम यात्रा को लेकर पुलिस, प्रशासन, परिवहन विभाग समेत अन्य विभागों ने तैयारी शुरू कर दी है। इसे लेकर परिवहन निगम ने बाहरी राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी हो इसे लेकर बस स्टॉपेज बनाने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

रुड़की बस डिपो के एजीएम केके मल्होत्रा ने बताया कि चारधाम यात्रा की तैयारी शुरू कर दी गई है। चारधाम यात्रा के दौरान बाहरी राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उत्तराखंड आते हैं। अधिकतर यात्री बाईपास से होकर आते-जाते हैं। कई बार इन्हें बाईपास पर स्टॉपेज नहीं होने पर बस नहीं मिल पाती है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कोर कॉलेज से नारसन बॉर्डर तक सात अस्थायी बस स्टॉपेज बनाने की तैयारी चल रही है।

उन्होंने बताया कि कोर कॉलेज, टोडा कल्याणपुर के पास, नगला इमरती बाईपास, अब्दुल कलाम चौक, मंगलौर गुड़मंडी और नारसन के पास अस्थाई बस स्टॉपेज बनाने की तैयारी है। अन्य संभावित स्थान भी चिह्नित किए गए हैं।

उत्तराखंड में 12वीं तक के छात्रों को पढ़ाई जाएगी सड़क सुरक्षा, जागरूकता के लिए होंगे अधिक कार्यक्रम

परिवहन विशेष न्यूज

देहरादून। हादसों से बचाव के लिए अब बच्चों को सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ाया जाएगा। इसके लिए परिवहन विभाग पूर्व में कक्षा तीन व अन्य के लिए पुस्तकें भेज चुका है। अब 9वीं से 12वीं के लिए भी पुस्तकें तैयार कराई जा रही हैं।

राज्य में सड़क दुर्घटनाओं का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। युवावस्था में बिना हेलमेट, ओवर स्पीड, शराब का सेवन कर वाहन चालन जैसे तमाम विकारों को दूर करने के लिए परिवहन विभाग ने खास कवायद शुरू की है।

इसके तहत पूर्व में कक्षा-तीन व ऊपर की कक्षाओं के लिए 52,000 पुस्तकें प्रकाशित कराई गई, जिन्हें स्कूलों तक पहुंचा दिया गया है। यहां शिक्षक सभी छात्रों को सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ा रहे हैं।

परिवहन विभाग ने अब 9वीं से 12वीं तक के छात्रों को भी सड़क सुरक्षा का पाठ पढ़ाने की योजना बनाई है। इसके लिए पुस्तकें प्रकाशित कराई जा रही हैं। इन पुस्तकों में युवावस्था में सड़क सुरक्षा के प्रति कैसे सजग रहकर खुद व दूसरों की जान कैसे बचाएं, ये जानकारी भी दी जाएगी।

सड़क सुरक्षा जागरुकता के तहत परिवहन विभाग ने वर्ष 2022 में 350 और वर्ष 2023 में 475 कार्यक्रम कराए हैं। इस बार भी इससे अधिक कार्यक्रम कराने की योजना है।

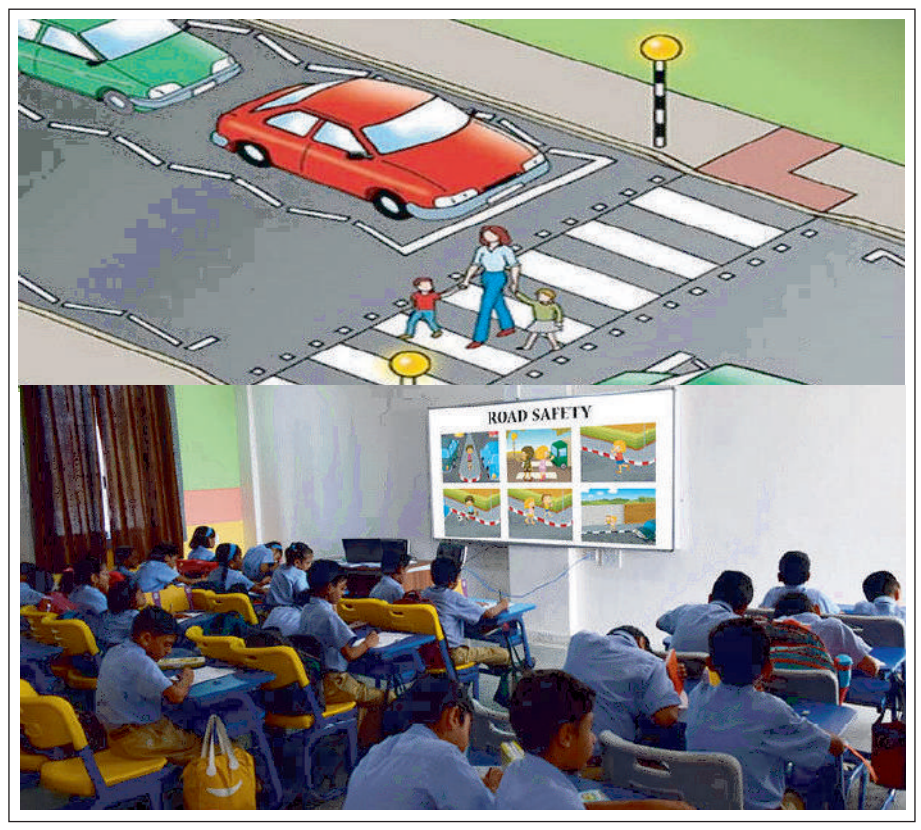

व्यावसायिक वाहनों में गति नियंत्रक जरूरी

प्रदेश में जितने भी व्यावसायिक वाहन हैं, उनमें गति नियंत्रक जरूरी है। पिछले साल 31 दिसंबर तक राज्य में 1,31,113 वाहनों में ये उपकरण लगाए जा चुके हैं। आने वाले समय में सभी व्यावसायिक वाहनों में ये स्पीड गवर्नर लगाए दिए जाएंगे।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

राजस्थान में सीएनजी के दाम कम हुए

दो रुपये 12 पैसे प्रति किलोग्राम मिलेगी सस्ती

परिवहन विशेष न्यूज

होली के मौके पर राजस्थान सरकार ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों को घटा दिया है। राज्य सरकार के उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस लिमिटेड (आरएसजीएल) ने सीएनजी समेत उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जाने वाली डीपीएनजी यानी डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस, सीपीएनजी यानी पाइप्ड नेचुरल गैस और आईपीएनजी प्राकृतिक गैस की दरों में कमी की है।

जयपुर। प्रदेश की भजनलाल सरकार ने होली के मौके पर प्राकृतिक गैस उपभोक्ताओं के लिए राहत का एलान कर दिया है। राज्य सरकार के सार्वजनिक उपक्रम राजस्थान स्टेट गैस (RSGL) ने कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) समेत उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जाने वाली (डोमेस्टिक पाइप्ड नेचुरल गैस), सीपीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) प्राकृतिक गैस की दरों में कमी कर उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। अब राजस्थान स्टेट गैस के सीएनजी स्टेशनों पर आम नागरिकों को सीएनजी गैस दो रुपये 12 पैसे प्रति किलोग्राम सस्ती उपलब्ध होगी।

राजस्थान स्टेट गैस के प्रबंध निदेशक रणवीर सिंह ने बताया कि आरएसजीएल द्वारा जारी नई दरों के अनुसार अब कोटा में आम नागरिकों को कंप्रेस्ड नेचुरल गैस सीएनजी में 2.12 रुपये प्रति किलो की राहत देते हुए अब 91 रुपये नौ पैसे प्रति किलोग्राम उपलब्ध होगी। इसी तरह से घरेलू डीपीएनजी में 1.25 रुपये की राहत देते हुए 49.35 रुपये प्रति एससीएम, व्यावसायिक पाइप्ड नेचुरल गैस (CPNG) में 1.50 रुपये की राहत देते हुए 64.50 रुपये प्रति एससीएम, औद्योगिक पाइप्ड नेचुरल गैस में 1.41 रुपये की राहत देते हुए 60.59 रुपये प्रति एससीएम की दर पर उपलब्ध कराई जाएगी। नई दरें गुरुवार (13 मार्च) रात 12 बजे से लागू होंगी।

सीएम ने विधानसभा में वैट घटाने का किया था एलान

सचिव माइंस एवं चेयरमैन आरएसजीएल टी. रविकांत ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को राज्य विधानसभा में वित्त एवं विनियोग विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए सीएनजी पीएनजी की वेट दर 10 प्रतिशत से घटाकर 7.5 प्रतिशत करने की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के उपक्रम आरएसजीएल ने गुरुवार रात 12 बजे से नई दरें लागू करने का निर्णय करते हुए आम नागरिकों को राहत प्रदान की है।

स्किन में होली के रंगों को छुड़ाने के लिए अपनायें यह घरेलू नुस्खे, है सबसे असरदार

होली का त्योहार रंगों का त्योहार है, जिसमें हर कोई खुशी और उमंग के साथ एक-दूसरे पर रंग बरसाता है। लेकिन रंगों का यह उत्सव जितना मजेदार होता है, उतना ही हमारी त्वचा के लिए चौलेंजिंग भी हो सकता है। खासकर महिलाओं और युवतियों के लिए, जो अपनी त्वचा की देखभाल को लेकर काफी सतर्क रहती हैं। केमिकल युक्त रंग त्वचा पर दाग-धब्बे छोड़ सकते हैं और त्वचा को रूखा व बेजान बना सकते हैं। इसलिए, होली खेलने से पहले अपनी स्किन को प्रोटेक्ट करना बेहद जरूरी है।

होली से पहले स्किन पर लगाएं घी और कोकोनट ऑयल होली खेलने से पहले चेहरे और स्किन पर घी और कोकोनट ऑयल लगाना बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। ये दोनों प्राकृतिक तत्व स्किन पर एक सुरक्षा कवच का काम करते हैं और रंगों के कणों को त्वचा के अंदर घुसने से रोकते हैं।

कोकोनट ऑयल के फायदे त्वचा को गहराई से मॉइश्चराइज करता है।

रूखेपन और खुरदरापन से बचाता है।

रंगों को आसानी से हटाने में मदद करता है। त्वचा में चमक और कोमलता बनाए रखता है।

घी के फायदे

1. त्वचा को नर्म और कोमल बनाए रखता है।

2. रंगों से होने वाली खुजली और जलन से बचाव करता है।

3. त्वचा पर नेचुरल ग्लो लाता है।

4. केमिकल वाले रंगों के प्रभाव को कम करता है।

क्यों जरूरी है घी और कोकोनट ऑयल का इस्तेमाल? होली के रंगों में केमिकल, डाई और अन्य हानिकारक तत्व होते हैं, जो त्वचा को नुकसान पहुंचा सकते हैं। घी और कोकोनट ऑयल एक प्राकृतिक अवरोधक के रूप में काम करते हैं, जिससे रंगों का दुष्प्रभाव कम हो जाता है। खासकर युवतियों और महिलाओं को इसका उपयोग जरूर करना चाहिए क्योंकि उनकी त्वचा अधिक संवेदनशील होती है।

कैसे करें इस्तेमाल?

1. होली खेलने से आधा घंटा पहले चेहरे, गर्दन, हाथ और पैरों पर कोकोनट ऑयल या घी की हल्की मालिश करें।

2. होठों और पलकों पर भी हल्का कोकोनट ऑयल लगाएं।

3. बालों में भी कोकोनट ऑयल की मालिश करें ताकि रंगों से बाल न खराब हों।

4. ऑयल को अच्छी तरह से त्वचा में सोखने दें ताकि रंग चिपके नहीं।

होली के बाद स्किन केयर टिप्स

1. रंग हटाने के लिए केमिकल बेस्ड साबुन का उपयोग न करें।

2. बेसन, दही और हल्दी का उबटन लगाकर रंग छुड़ाएं।

3. त्वचा को ठंडे पानी से धोएं और बाद में मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

।नवरात्रि शुभारंभः घटस्थापना मुहूर्त।

माता शक्ति की उपासना के लिए नवरात्रि के पर्व को बहुत शुभ और फलदायी माना जाता है। देवी पूजन का ये पावन पर्व साल में चार बार आता है, जिसमें पहली नवरात्रि चैत्र मास के शुक्लपक्ष में, दूसरी नवरात्रि आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष में, तीसरी अश्विन मास में और अंतिम नवरात्रि माघ के महीने में पड़ती है।

चलिए जानते हैं – साल 2025 में चैत्र नवरात्रि की घट स्थापना कब की जाएगी ?

चैत्र नवरात्रि के नक्षत्र एवं योग और कब होगी देवी के किस रूप की पूजा ?

| चैत्र नवरात्रि: घटस्थापना कब करें?

चैत्र नवरात्रि घटस्थापना– 30 मार्च, रविवार (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा)

घटस्थापना मुहूर्त – 05:52 AM से 09:59 AM तक

घटस्थापना अभिजित मुहूर्त – 11:38 AM से 12:27 PM तक

प्रतिपदा तिथि प्रारम्भ 29 मार्च, 2025, 04:27 PM

प्रतिपदा तिथि समाप्त 30 मार्च, 2025, 12:49 PM

| चैत्र नवरात्रि के नक्षत्र एवं योग इस बार चैत्र नवरात्रि पर एक साथ कई शुभ संयोग बन रहे हैं। नवरात्रि के पहले दिन अभिजीत मुहूर्त के साथ सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि योग और रेवती नक्षत्र का शुभ संयोग बन रहा है। इन सभी मुहूर्त पूजा–पाठ के लिए श्रेष्ठ माने जाते हैं।

सर्वार्थ सिद्धि योग: 04:35 PM से 31 मार्च 12:25 AM

रेवती नक्षत्र आरम्भ: 29 मार्च, 07:26 PM

रेवती नक्षत्र समाप्त: 30 मार्च, 04:35 PM

वैधृति योग प्रारम्भ : 30 मार्च 2025, 05:54 PM

वैधृति योग समाप्त: 31 मार्च 2025, 01:46 PM

घटस्थापना करने का सबसे शुभ समय सुबह का होता है, जब प्रतिपदा प्रबल होती है। लेकिन यदि किसी कारणवश इस समय घटस्थापना न की जा सके, तो हिंदू मध्यान्ह से पूर्व अभिजित मुहूर्त में भी घटस्थापना की जा सकती है। ज्योतिष में वैधृति योग में घटस्थापना न करने की सलाह दी जाती है, हालांकि ये निषिद्ध नहीं है।

| कब होगी देवी के किस रूप की पूजा (चैत्र नवरात्रि कैलेंडर)

30 मार्च, पहला दिन, प्रतिपदा तिथि, मां शैलपुत्री पूजा, रविवार

31 मार्च, दूसरा दिन, द्वितीया तिथि, मां ब्रह्मचारिणी पूजा, सोमवार

31 मार्च, तीसरा दिन, तृतीया तिथि, मां चन्द्रघण्टा पूजा, मंगलवार

01 अप्रैल, चौथा दिन, चतुर्थी तिथि, मां कूष्माण्डा पूजा, बुधवार

02 अप्रैल, पांचवा दिन, पंचमी तिथि, मां स्कन्दमाता पूजा, गुरुवार

03 अप्रैल, छठा दिन, षष्ठी तिथि, मां कात्यायनी पूजा, शुक्रवार

04 अप्रैल, सातवां दिन, सप्तमी तिथि, मां कालरात्रि पूजा, शनिवार

05 अप्रैल, आठवां दिन, अष्टमी तिथि, मां महागौरी पूजा, रविवार

06 अप्रैल, नौवां दिन, नवमी तिथि, मां सिद्धिदात्री पूजा, नवरात्रि पारण, सोमवार

07 अप्रैल, दसवां दिन, दशमी तिथि, दुर्गा प्रतिमा विसर्जन, मंगलवार

वहीं, इस बार नवरात्र पूरे नौ दिन के रहेंगे। नौ दिन में किसी भी तिथि का क्षय नहीं होने से इस साल की चैत्र नवरात्रि अधिक फलदाई मानी जा रही है, जिसमें भक्ति–साधना करने से जातकों के लिए उन्नति के द्वार खुलेंगे। तो यह है चैत्र नवरात्रि घट स्थापना के शुभ मुहूर्त से जुड़ी पूरी जानकारी, हम आशा करते हैं कि आपका व्रत सफल हो।

संजय बाटला :– परिवहन विशेष

"प्रेम देह में नहीं,आत्मा में बसता है।"

देह मोह युक्त है,आत्मा जो निरंजन निराकार शक्ति है जो हमारा वास्तविक स्वरूप है वह प्रेमस्वरूप है।

वह हमारा होना है।

हमारा शब्द केवल लिखने के लिए है। वास्तव में आत्मा मौन है, मैं मेरा शब्द रहित है।

मैं मेरा शब्द को शरीर से जोडा जा सकता है, आत्मा के साथ नहीं।

आत्मा मैं मेरा शब्द रहित अखंड मौन है।

यह जो (हमारा)होना है इसे पहचान ना चाहिए यही (हम) हैं।शरीर नहीं।

यह ध्यान रहे कि मैं मेरा शब्दों का संबंध सिर्फ शरीर से है तो (हम)मैं मेरा शब्दों का प्रयोग नहीं करेंगे।

यदि मैं मेरा संबंधी विचार आते हैं तो उनके अनुसार नहीं सोचेंगे,(मन के मते न चाल), उन्हें सहयोग नहीं देंगे,उन पर अमल नहीं करेंगे।

यह असहयोग आंदोलन स्वहित में होगा।

हम सदैव मैं मेरा रहित अस्तित्व बोध हैं, होने का अनुभव हैं।

इसमें गहराई है,समझ है, व्यवस्था है।

अगर हम सचमुच शरीर तथा मैं मेरा शब्दों को एक तरफ रखकर होना मात्र रह सकें तो पायेंगे यह बहुत व्यवस्थित है।

इस समझ के साथ-साथ व्यवस्थित होना भी बढ़ने लगता है स्वतः।

बिना मैं मेरा शब्दों के,

होने का अनुभव सचमुच व्यवस्थित होने लगता है।

यह स्पष्ट हो जाना परम शुभ है।

गीता का यह श्लोक पुनः पुनः स्मरण करने योग्य है।

'प्रकृति के गुण उनका कार्य कर रहे हैं परंतु अहंकार (मैं)से मोहित, मुर्छित हुआ आत्मा (चेतन स्वरूप) मैं कर्ता हूं ऐसा मानने लगता है।'

तीन चीजें हो गयीं-

शरीर, अहंकार और आत्मा।

यह जो अहंकार मूर्छा है यह शरीर के साथ होती है,आत्मा के साथ नहीं।आत्मा चेतन स्वरूप है,सदा होश में है।

जो होश में है वह बेहोश कैसे हो जाता है?

शरीर के लिए मैं शब्द का प्रयोग करने के कारण।

'मैं शरीर हूं।'

आत्मा के लिए नहीं कहा जा सकता कि मैं आत्मा हूं।

मैं शब्द का प्रयोग तो करना ही नहीं चाहिए।

मैं शब्द माया है,भ्रामक है।

बिना मैं शब्द को बीच में लाये सीधे स्वानुभव करना चाहिए।

ऐसा करना व्यवस्थित होने लगना है। इसमें बल है,समझ है, गहरी शांति है।

बीच-बीच में मैं मेरा शब्द उठेंगे,मैं मेरा संबंधी विचार आयेंगे लेकिन उनके अनुसार सोचने के बजाय मौन ही रहना है।उन पर अमल नहीं करना है।

यही साहस है।और क्या साहस है?

अहंकार का प्रदर्शन करना और किसीको सताना साहस थोडे ही है।

उसकी अपनी गणित है। चपरासी के सामने अलग व्यवहार होगा,आफिसर के सामने अलग व्यवहार होगा।

लेकिन जो मैं मेरा शब्द रहित मौन है स्वरुप में

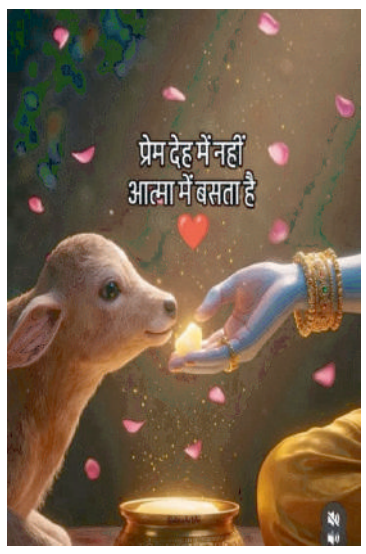

स्थित है उसका तो प्रेम ही प्रकट होगा।

ईश्वरीय संविधान यही तो है।

'सबका हृदय से आदर करो, छोटे-बड़े का भेद मत करो।'

प्रेम, आत्मा का है,देह का नहीं।

जो देह में अहंमम बुद्धि करके प्रेम प्रकट करता है वह झूठा है।वह प्रेम है ही नहीं।

जिस प्रेम के पीछे मैं नामका कर्ता है वह प्रेम कैसा?

आत्मा प्रेमस्वरूप ही है लेकिन जब वह माया के मैं मेरा शब्दों में खो कर प्रेमकर्ता बन जाता है तब व्यक्ति, परिस्थिति अनुसार उसका उपयोग करता है।

जबकि प्रेमस्वरूप आत्मा में कर्ता है ही नहीं जैसे प्रकाश सदैव अंधकार रहित होता है।

यह जो आत्मा(होनापन)स्वयं को प्रकृति के गुणों का कर्ता मान लेता है यही भारी भूल है।

गीता के श्लोक में तीनों का स्थान समझ लेना चाहिए।

१.प्रकृति के गुण।

२.अहंकार(मैं रुपी माया)

.आत्मा(वास्तविक आधार स्वरुप जो होना है)।

अर्जुन विषाद कर रहा है।

उसे समझ दी जा रही है कि (उसका)स्वरुप विषाद से परे है लेकिन अहंकार (माया)के झांसे में आकर वह मानने लगता है कि वह विषादकर्ता है।

वह हर्षकर्ता होना चाहता है।

सारी कोशिशें इसीकी हैं।सारे झगडे इसीके हैं।

लेकिन हर्ष भी प्रकृति का गुण ही करता है,स्वयं(आत्मा) नहीं।

वह सिर्फ है-होना मात्र,साक्षी मात्र।

हम सब वही हैं।पहचानें इसे।

तब मौन ही रहेंगे,मैं मेरा शब्दों का प्रयोग न करेंगे,न उस तरह सोचेंगे।

'बाहर व्यर्थ न बोलना,मौन है।

भीतर व्यर्थ न सोचना,मौन है।

सबसे ज्यादा सोचना मैं मेरा शब्द सहित सोचना है,यह व्यर्थ ही नहीं हानिकारक भी है।

(हमारा)शाश्वत मौन स्वरुप,माया के झांसे में आया होता है।

एक मित्र कह रहे थे-वे अपना स्वरूप खोज रहे हैं।'

स्वरुप तो वे स्वयं हैं ही,उसे क्या खोजना है,केवल मैं मेरा शब्दों को खोना है, छोड़ना है। यही त्याग है, यही साहस है।

उसे न छोड़कर लोग पता नहीं क्या क्या छोड़ते रहते हैं।

'मैं मेरा' छूटेगा तो 'वह उसका' भी छूट जायेगा।

हमारे भीतर जो दूसरे का चिंतन चलता है वह, 'वह उसका' के रूप में ही तो चलता है।

क्या मूलतः वह भी आत्मस्वरुप नहीं है-शांत,मौन,समझ से परिपूर्ण?

जब हम 'वह उसका' इस तरह उसे परिभाषित करते हुए उसके साथ व्यवहार करते हैं उसकी आध्यात्मिक प्रगति का मार्ग अवरूद्ध हो जाता है।

तो न सोचें 'वह उसका' इन दो शब्दों के अनुसार।इसकी जगह सीधे(उसके) हृदयस्वरुप को, आत्मस्वरुप को अनुभव करें।

हृदय सजातीय है।

(साथ अपना दे सको,तो सब तुम्हारा साथ देंगे।)

अहंकार विजातीय है।

सभी का हृदय एक है।

सभी का मैं मेरा अलग-अलग है।वह मन है,माया है।

जो मन में रहता है वह उपद्रवी है।

जो हृदयस्वरुप है वह अखंड एकत्व की अनुभूति में सर्वत्र आधारभूत सुख शांति का संचार करने वाला है।

दोनों दिशाएं अलग हैं।

कृष्ण कहते हैं -संसारी का दिन,योगी की रात।

संसारी की रात,योगी का दिन।'

ठीक कहा है -

सोये हो, इसलिए मंजिल नहीं मिलती,जागो तो मिल जाये;

आंख खोलो तो मिल जाये।

तुम जिसे आंख का खोलना कहते हो,वह आंख का खोलना नहीं है।

बाहर आंख खुलती है तो भीतर आंख बंद हो जाती है।

आंख एक तरफ ही खुल सकती है।

तुम दो दिशाओं में एक साथ थोडे ही चल सकोगे!

दृष्टि की ऊर्जा भी दो दिशाओं में एक साथ नहीं बह सकती।

बाहर से आंख बंद हो जाती है तो भीतर खुल जाती है।

जिसे तुमने आंख का खुला हुआ होना समझा है, वही तुम्हारी आंख का बंद होना है।

बाहर चलते हो तो भीतर नहीं चल सकते।

बाहर की चाल ठहरे तो भीतर गति अपने से हो जाती है।

मैं मेरा सहित होनापन और

मैं मेरा रहित होनापन एक साथ

नहीं हो सकते।

कल्याण

मैं मेरा,तू तेरा,वह उसका,वे उनका

इन मानसिक,मायिक, शाब्दिक भेदों से मुक्त रहने में ही है।

उपाय यही है इन शब्दों के अनुसार नहीं सोचेंगे, सिर्फ मौन रहेंगे और अनुभव करेंगे।

कोई शरीर की बात करे तो

शरीर भी है, स्वयं भी है।

शरीर है तो है।

मैं मेरा शब्द नहीं है तो स्वयं जीया और शरीर को जीने दिया जा सकता है।

उसका सर्वोत्तम सदुपयोग किया जा सकता है।

सर्वव्यापी एक अखंड आत्मसत्ता तो पहले से है,सदा है।

विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस प्रत्येक वर्ष 15 मार्च को मनाया जाता है। यह दिन जॉन एफ कैनेडी (पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति) द्वारा 15 मार्च 1962 को अमेरिकी कांग्रेस में बोलते हुए उपभोक्ता अधिकारों पर दिए गए भाषण से प्रेरित था। कंज्यूमर्स इंटरनेशनल के कार्यकर्ता अनवर फज़ल ने बाद में इस दिन को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस के रूप में प्रस्तावित किया।

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस का महत्व विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस इसलिए महत्वपूर्ण है। क्योंकि यह आम जनता के उपभोक्ता अधिकारों को पहचानने और उन पर कार्रवाई करने का दिन है। इसके अलावा, एक उपभोक्ता के रूप में यह प्रत्येक व्यक्ति की एक आवश्यक अभिव्यक्ति है, क्योंकि वे सकारात्मक कदम उठाते हैं जो सभी को प्रभावित करते हैं।

क्यों मनाया जाता है विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस प्रत्येक 15 मार्च को उपभोक्ता आंदोलन और विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस उपभोक्ता अधिकारों और जरूरतों के बारे में वैश्विक जागरूकता बढ़ाने का एक अवसर है। जो सभी उपभोक्ताओं के अधिकारों का सम्मान किए जाने और उनकी रक्षा की वकालत करता है। इसके आलावा यह दिन बाजार के दुरुपयोग और उन अधिकारों को कमजोर करने वाले सामाजिक अन्याय

तथा बाज़ार में होने वाली ठगी, मिलावट, MRP से ज्यादा दाम, बिना तोले समान बेचना या नापतोल में गड़बड़ी, गारंटी के बाद भी सर्विस न देना। तथा एक्सपायरी डेट या सील टूटी हुई वस्तुएं बेचने अथवा बिल ना देने व धोखाधड़ी जैसे अपराधों का विरोध करता है।

सुरक्षा का अधिकार।

सूचित किए जाने का अधिकार।

चुनने का अधिकार।

सुने जाने का अधिकार।

समस्या के समाधान का अधिकार।

उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार।

जानें भारत उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के बारे में भारत उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 20 जुलाई 2020 को लागू हुआ, और पुराने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 का स्थान ले लिया। इस अधिनियम के कुछ आवश्यक विवरण इस प्रकार हैं: इस अधिनियम ने ग्राहक विवादों और प्रशासन के निपटारे के तरीके को बदल दिया है। इसके अलावा, यह अधिनियम खाद्य पदार्थों में मिलावट और विक्रेताओं द्वारा किए गए किसी भी भ्रामक विज्ञापन के लिए सख्त जेल अवधि को लागू करता है। अन्य बातों के अलावा, यह अधिनियम पूरे वर्ग के उपभोक्ता के अधिकारों को बढ़ावा देने और लागू करने के लिए एक सीसीपीए (केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण) की स्थापना का भी प्रस्ताव करता है।

सीसीपीए ग्राहकों को अनुचित व्यापार प्रथाओं से बचाने के लिए भी हस्तक्षेप कर सकता है।

इसके अलावा, यह निकाय उत्पादों की वापसी, वापसी और रिफंड की मांग को लागू कर सकता है। उपभोक्ता सीसीपीए में भी शिकायत दर्ज करा सकता है। उन्हें अपने मामले के लिए वकील नियुक्त करने की आवश्यकता नहीं है।

खाना पचेगा या सड़ेगा-

खाना खाने के बाद पेट में खाना पचेगा या खाना सड़ेगा, यह जानना बहुत जरूरी होता है। हमने रोटी खाई, हमने दाल खाई, हमने सब्जी खाई, हमने दही खाया लस्सी पी, दूध, दही छाछ, लस्सी फल आदि यह सब कुछ भोजन के रूप में हमने ग्रहण किया। यह सब कुछ हमें उर्जा देते हैं और पेट उस उर्जा को आगे ट्रांसफर करता है।

पेट में एक छोटा सा स्थान होता है, जिसको हम हिन्दी में 'आमाशय' कहते हैं। इसका संस्कृत नाम है 'जठर'। यह एक थैली की तरह होता है। यह जठर हमारे शरीर में सबसे महत्वपूर्ण है, क्योंकि सारा खाना सबसे पहले इसी में आता है। यह बहुत छोटा सा स्थान है। हम जो कुछ भी खाते हैं, वह सब इस आमाशय में आ जाता है। आमाशय में जो अग्नि प्रदीप्त होती है उसे जठराग्नि कहते हैं।

यह जठराग्नि आमाशय में प्रदीप्त होने वाली आग है। जैसे ही हम खाना खाना खाते हैं, जठराग्नि प्रदीप्त हो जाती है। यह ऑटोमेटिक है, जैसे ही हमने रोटी का पहला टुकड़ा मुँह में डाला, कि इधर जठराग्नि प्रदीप्त हो गई। यह अग्नि तब तक जलती है जब तक खाना पचता है। अब हमने खाना खाते ही गटागट पानी पी लिया और खूब ठंडा पानी पी लिया।अब जो आग (जठराग्नि) जल रही थी, वह बुझ गयी। आग अगर बुझ गयी, तो पचने की जो क्रिया है वह रुक जाती है।

अब हमें हमेशा याद रखना चाहिए कि खाना पेट में जाने पर पेट में दो ही क्रियाएं होती हैं, एक क्रिया है जिसको हम कहते हैं पचना, और दूसरी है,

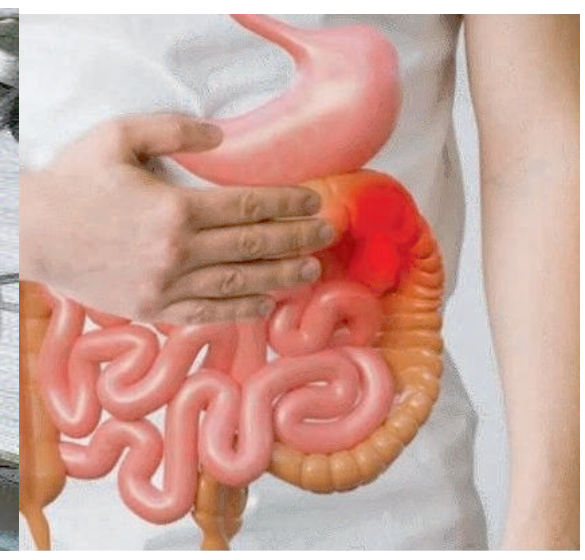

सड़ना।

आयुर्वेद के हिसाब से आग जलेगी तो खाना पचेगा, खाना पचेगा तो उससे रस बनेगा। रस से मांस, मज्जा, रक्त, वीर्य, हड्डियां, मल, मूत्र और अस्थि बनेगा और सबसे अंत में मेद बनेगा। यह तभी होगा जब खाना पचेगा। खाना सड़ने पर सबसे पहला जहर जो बनता है वह है यूरिक एसिड। यूरिक एसिड बढ़ने से ही घुटने, कंधे, कमर में दर्द होता है। जब खाना सड़ता है, तो यूरिक एसिड जैसा ही एक दूसरा विष बनता है जिसको हम कहते हैं एलडीएल (खराब कोलस्ट्रॉल)। खराब कोलस्ट्रॉल के बढ़ने से ही ब्लड प्रेशर (बीपी) बढ़ता है। ये सभी बीमारियां तब आती हैं जब खाना पचता नहीं है, बल्कि सड़ता है।

खाना पचने पर किसी भी प्रकार का कोई भी जहर नहीं बनता है। खाना पचने पर जो बनता है वह है मांस, मज्जा, रक्त, वीर्य, हड्डियां, मल, मूत्र, अस्थि और खाना नहीं पचने पर बनता है यूरिक एसिड, कोलेस्ट्रोल, एलडीएल, वीएलडीएल और यही हमारे शरीर को रोगों का घर बनाते हैं। पेट में बनने वाला यही जहर जब ज्यादा बढ़कर खून में आता है, तो खून दिल की नाड़ियों में से निकल नहीं पाता और रोज थोड़ा थोड़ा कचरा जो खून में आया है, इकट्ठा होता रहता है और एक दिन नाड़ी को ब्लॉक कर देता है। इसी से हार्ट अटैक होता है।

अतः हमें ध्यान इस बात पर देना चाहिए कि जो हम खा रहे हैं, वह ठीक से पचना चाहिए, इसके लिए पेट में ठीक से आग (जठराग्नि) प्रदीप्त होनी ही चाहिए, क्योंकि बिना आग के खाना पचता नहीं है और खाना पकता भी नहीं है। महत्व की बात खाने को खाना नहीं खाने को पचाना है। हमने क्या खाया, कितना खाया यह महत्त्वपूर्ण नहीं है। खाना अच्छे से पचे इसके लिए वाग्भट्ट जी ने सूत्र दिया है-

भोजनान्ते विषं वारीः (खाना खाने के तुरंत बाद पानी पीना जहर पीने के बराबर है)। इसलिए खाने के तुरंत बाद पानी कभी नहीं पीना चाहिए। जब हम खाना खाते हैं तो जठराग्नि द्वारा सब एक दूसरे में मिक्स होता है और फिर खाना पेस्ट में बदलता है। पेस्ट में बदलने की क्रिया होने तक एक घंटा ४८ मिनट का समय लगता है। उसके बाद जठराग्नि कम हो जाती है। बुझती तो नहीं, लेकिन बहुत धीमी हो जाती है। पेस्ट बनने के बाद शरीर में रस बनने की प्रक्रिया शुरू होती है, तब हमारे शरीर को पानी की जरूरत होती है।

दिल्ली की सीएम और मंत्रियों की कैसी रही होली ? खास मैसेज भी दिया; देखें तस्वीरें

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और मंत्री प्रवेश वर्मा ने कार्यकर्ताओं के बीच होली सेलिब्रेट किया। इस मौके पर सीएम रेखा गुप्ता ने जनता से मिले प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनकी भूमिका उन्हें गौरवान्वित करती है और उन्होंने राजधानी शहर की तस्वीर को खुशहाली और समृद्धि के रंगों से रंगने का संकल्प लिया।

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में होली का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिल्ली सरकार के मंत्री भी रंगों में सराबोर नजर आए। सीएम रेखा गुप्ता ने भी जमकर होली का जश्न मनाया। आइए तस्वीरों में देखते हैं कि उन्होंने किस तरह होली सेलिब्रेट किया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जनता से मिले प्यार और समर्थन के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनकी भूमिका उन्हें गौरवान्वित करती है और उन्होंने राजधानी शहर की तस्वीर को खुशहाली और समृद्धि के रंगों से रंगने का संकल्प लिया।

रेखा गुप्ता ने कहा, "हमें लोगों का प्यार मिल रहा है, लेकिन आज सीएम होने के नाते मुझे गर्व महसूस हो रहा है। मेरी जिम्मेदारी दिल्ली की तस्वीर को खुशहाली और समृद्धि के रंगों से रंगना और पीएम मोदी के नेतृत्व में दिल्ली को प्रगतिशील बनाना है।"

सीएम रेखा गुप्ता ने बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को गुलाल लगाकर होली सेलिब्रेट किया। नड्डा ने बाकी नेताओं को भी गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी।

उन्होंने उम्मीद जताई कि रंगों का यह जीवंत त्योहार सभी के जीवन में अनगिनत खुशियां, अपार प्रेम और सद्भाव लेकर आएगा।

उन्होंने लोगों से होली को सुरक्षित, सामंजस्यपूर्ण और पर्यावरण के प्रति जागरूक तरीके से मनाने का आग्रह किया। साथ ही एक-दूसरे का सम्मान करने और प्यार फैलाने के महत्व पर जोर दिया।

दिल्ली के मंत्री प्रवेश वर्मा ने होली पर जनता को हार्दिक शुभकामनाएं दी और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप, भाजपा राष्ट्रीय राजधानी को एक स्वच्छ और अधिक सुंदर शहर में बदलने की दिशा में काम करेगी।

प्रवेश वर्मा ने कहा, "मैं देशवासियों और दिल्ली के लोगों को होली के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। रंगों का यह त्योहार आपके जीवन में खुशियां लेकर आए। हम (भाजपा) दिल्ली को एक खूबसूरत शहर बनाएंगे। दो-तीन साल में आप यमुना में बड़ा बदलाव देखेंगे।"

उन्होंने कहा, ₹हम प्रदूषित पानी को यमुना में मिलने से पहले ही साफ कर देंगे। हमारे

होली को लेकर दिल्ली पुलिस रही अलर्ट, 25 हजार से अधिक सुरक्षाकर्मी रहे तैनात; ड्रोन से रखी गई नजर

होली पर्व को लेकर राजधानी दिल्ली की सुरक्षा व्यवस्था पर डीसीपी (पश्चिम) विचित्र वीर ने कहा दिल्ली पुलिस पिछले तीन-चार दिनों से इस त्योहार की तैयारी कर रही थी। हम आम लोगों की मदद से होली और जुम्मा दोनों के शांतिपूर्ण उत्सव को सुनिश्चित कर रहे हैं। हंगामा करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

नई दिल्ली। होली को लेकर दिल्ली पुलिस हाई अलर्ट पर है और इस जश्न के मद्देनजर सुरक्षा उपाय बढ़ा दिए गए हैं। होली और रमजान के दूसरे जुमे को लेकर यह कदम उठाया गया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए दिल्ली में 25,000 से अधिक सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है।

पुलिस सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से करीब 300 संवेदनशील इलाकों पर कड़ी निगरानी रख रही है। जहांगीरपुरी में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए किए गए इंतजामों के बारे में बताते हुए पुलिस उपायुक्त (उत्तर-पश्चिम) भीष्म सिंह ने कहा, ₹हमने गश्त तेज कर दी है और विभिन्न स्थानों पर पिकेट स्थापित किए हैं। हम घरों और इमारतों की छतों पर निगरानी के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल कर रहे हैं और रिपोर्टों के अनुसार, कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है।

अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा कड़ी

उन्होंने कहा कि मुस्लिम समुदाय ने अमन कमेटी में दोपहर 2 बजे के बाद नमाज अदा करने का वादा किया है और हमने यह सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी है कि कोई अप्रिय घटना न हो। होली के लिए सुरक्षा व्यवस्था पर डीसीपी (पश्चिम) विचित्र वीर ने कहा, ₹दिल्ली पुलिस पिछले तीन-चार दिनों से इस त्योहार की तैयारी कर रही है। हम आम लोगों की मदद से होली और जुम्मा दोनों के शांतिपूर्ण उत्सव को सुनिश्चित कर रहे हैं। हंगामा करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

शराबी वाहन चालकों के लिए विशेष टीमें तैनात

उन्होंने कहा, ₹किसी को भी कानून-व्यवस्था भंग करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। टीमें कड़ी निगरानी रख रही हैं और टीमें हाई अलर्ट पर हैं।₹ एक अन्य अधिकारी ने बताया कि यातायात पुलिस और शहर पुलिस ने संयुक्त चौकियां स्थापित की हैं तथा शराब पीकर वाहन चलाने और यातायात उल्लंघन की जांच के लिए प्रमुख सड़क चौराहों पर विशेष टीमें तैनात की गई हैं।

दिल्ली संयुक्त आयुक्त संजय कुमार जैन ने कहा, ₹होली का त्यौहार है, इसको देखते हुए पुलिस की समुचित व्यवस्था है, ताकि कोई हुड़दंग न करे और त्यौहार में खलल न डाले। सिर्फ़ दिल्ली पुलिस ही नहीं, हमने अर्धसैनिक बलों को भी तैनात किया है। मोबाइल पेट्रोलिंग भी जारी है... जुम्मे की नमाज़ के लिए भी हमने इंतजाम किए हैं। संवेदनशील जगहों पर तैनाती की गई है...

दिल्ली पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 2019 हिंसा का आरोपी गिरफ्तार; पिस्तौल और कारतूस जब्त

पुलिस उपायुक्त (स्पेशल सेल) अमित कौशिक ने बताया दिसंबर 2019 में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हनीफ और उसके भाई हारून ने न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके में हिंसा में भाग लिया था। उसके खिलाफ दंगा गैरकानूनी सभा करने और शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। हनीफ को पहले जमानत मिल गई थी लेकिन वह अदालत में पेश नहीं हुआ था।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने 2019 में नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में हुई हिंसा के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मोहम्मद हनीफ (42) शाहीन बाग का निवासी है। अदालत में पेश न होने के कारण वह घोषित अपराधी (प्रोक्लेम्ड ऑफेंडर) था। पुलिस ने उसके पास से एक पिस्तौल और पांच राउंड कारतूस बरामद किए हैं।

हनीफ इस मामले में शरजील इमाम और आसिफ इकबाल तन्हा के साथ सह-आरोपी भी है। 7 मार्च को एक स्थानीय अदालत ने इस मामले में शरजील इमाम और आसिफ इकबाल तन्हा के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

हनीफ और उसके भाई हारून ने प्रदर्शन में लिया था हिस्सा

पुलिस उपायुक्त (स्पेशल सेल) अमित कौशिक ने बताया, ₹दिसंबर 2019 में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हनीफ और उसके भाई हारून ने न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी इलाके में हिंसा में भाग लिया था। उसके खिलाफ दंगा, गैरकानूनी सभा करने और शस्त्र अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था।₹ हनीफ को पहले जमानत मिल गई थी, लेकिन वह अदालत में पेश नहीं हुआ, जिसके बाद उसे घोषित अपराधी घोषित कर दिया गया।

शस्त्र अधिनियम के तहत नया मामला दर्ज

पुलिस के अनुसार, 2022 में हनीफ के खिलाफ नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंसेज (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत भी मामला दर्ज किया गया था, लेकिन वह गिरफ्तारी से बचता रहा। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गाजीपुर-घाडोली गांव रोड के पास ट्रैप कर हनीफ को गिरफ्तार किया। उसके पास से एक पिस्तौल और पांच राउंड कारतूस बरामद किए गए। इस संबंध में उसके खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत एक नया मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है।

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार का रहनेवाला है हनीफ

पुलिस के अनुसार, हनीफ पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले का रहने वाला है और उसने दसवीं तक पढ़ाई की थी। आर्थिक तंगी के कारण उसने पढ़ाई छोड़ दी और अपने पिता के साथ कबाड़ के कारोबार में काम करने लगा। बाद में वह चिकन सप्लाई के धंधे में चला गया। 2012 से 2015 के बीच उसने ड्राइवर के रूप में भी काम किया।

2016 में हनीफ की मुलाकात निजामुद्दीन इलाके के असलम नामक व्यक्ति से हुई, जिसने उसे नशे के कारोबार में शामिल कर लिया। हनीफ को पहली बार 2006 में हमला और अतिक्रमण के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। 2018 में दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने उसे एक नशे के मामले में गिरफ्तार किया था।

पाटलिपुत्र स्पोर्टस कंपलेक्स पटना में 20-25 मार्च तक सेपक टकराव वर्ल्ड कप का आयोजन: पेरिका सुरेश

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। तेलंगाना प्रदेश सेपक टकराव फेडरेशन के अध्यक्ष पेरिका सुरेश ने बताया कि सेपक टकराव फेडरेशन ऑफ इंडिया, तेलंगाना सेपक टकराव फेडरेशन और तेलंगाना ओलंपिक के सौजन्य से पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कंपलेक्स में 20 से 25 मार्च तक सेपक टकराव वर्ल्ड कप 2025 का भव्य आयोजन होने जा रहा है। इस अवसर पर मालकंजगिरी संसदीय क्षेत्र के सांसद इटेला राजेंद्र एवं बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य गणमान्य लोगों में सेपक टकराव फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष एस आर प्रेम राज, सेपक टकराव तेलंगाना प्रदेश के जनरल सेक्रेटरी बी जगन्नाथ स्वामी, के महेश्वर, डिप्टी चीफ 38वा नेशनल गेम उत्तराखंड एवं बाबूराव सागर जनरल सेक्रेटरी तेलंगाना ओलंपिक एसोसिएशन भी उपस्थित रहेंगे। श्री सुरेश ने बताया कि इस वर्ल्ड कप में महिला एवं पुरुषों की 20 टीमें भाग लेगी। उन्होंने मिनिस्ट्री आफ यूथ अफेयर्स एंड स्पोर्ट्स तथा बिहार स्टेट स्पोर्ट्स अथॉरिटी का धन्यवाद किया जिनके सौजन्य से सेपक टकराव वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने सभी खेल प्रेमियों का आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में आकर इस वर्ल्ड कप का आनंद लें तथा खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करें।

रोहिणी से हिमांशु भाऊ गैंग का शार्पशूटर गिरफ्तार, गोगी गैंग के सदस्य की हत्या की थी साजिश

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने रोहिणी से हिमांशु भाऊ गैंग के 19 वर्षीय शार्पशूटर दीपक उर्फ रोहित मुंडलाना को गिरफ्तार किया है। आरोपी को गोगी गैंग के एक सदस्य की हत्या की सुपारी दी गई थी। उसके पास से दो पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 'नवीन बाली और हिमांशु भाऊ गैंग' से जुड़े 19 वर्षीय शार्पशूटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान दीपक उर्फ रोहित मुंडलाना के रूप में हुई है, जिसे गोगी गैंग के एक सदस्य की हत्या की सुपारी दी गई थी। स्पेशल सेल ने दिल्ली के रोहिणी इलाके से दीपक को गिरफ्तार किया। वह हरियाणा के सोनीपत जिले का रहने वाला है। पुलिस ने उसके पास से दो पिस्तौल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए और उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया।

स्पेशल टीम को मिली थी शार्पशूटर्स की जानकारी : स्पेशल सेल की टीम को नई भर्ती किए गए शार्पशूटर्स की जानकारी मिली थी। इसमें इंस्पेक्टर अनुज नौटियाल और इंस्पेक्टर चंदन कुमार शामिल थे और जिसकी कमान एसीपी राहुल कुमार सिंह के पास थी। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रोहिणी सेक्टर-12 के जापानी पार्क के पास जाल बिछाया, जहां आरोपी अपने एक साथी से मिलने आने वाला था। हमले को अंजाम देने से पहले ही उसे पकड़ लिया गया।

गैंगस्टर बनने की चाहत में अपराध की दुनिया में आया : दीपक आठवीं कक्षा में पढ़ाई छोड़ चुका था। 2022 में अपने माता-पिता का झगड़े में बचाव न कर पाने की घटना से खुद को अपमानित महसूस कर रहा था। हरियाणा के झज्जर में नवीन बाली-हिमांशु भाऊ गैंग के सदस्यों से प्रभावित होकर 2023 में उससे जुड़ गया। गैंगस्टरों को सोशल मीडिया पर फॉलो करता था और अपराध की दुनिया में नाम कमाने की चाहत रखता था।

गैंग ने दी थी हत्या की सुपारी : पुलिस के अनुसार, नवीन बाली-हिमांशु भाऊ गैंग गोगी गैंग के सदस्य को मारकर 'तिल्लू ताजपुरिया' की हत्या का बदला लेना चाहता था। 15 दिन पहले दीपक को गोगी गैंग के एक सदस्य को मारने का काम सौंपा गया था। गैंग के सदस्यों ने उसे दो हथियार और चार कारतूस दिए थे। 4 मार्च को रोहिणी में हत्या को अंजाम देने पहुंचा था। दिल्ली-एनसीआर में गैंगवार और टार्गेटेड किलिंग बढ़ने के चलते स्पेशल सेल इन शार्पशूटर्स पर नजर बनाए हुए थी। पुलिस अब गैंग से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

दिल्ली पुलिस ने किया अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह गिरोह मध्य प्रदेश और बिहार से दिल्ली-एनसीआर में अवैध हथियारों की सप्लाई कर रहा था। पुलिस ने नभा जेल पटियाला (पंजाब) से संचालित हो रहे इस गिरोह का पता लगाया और तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 5 अवैध पिस्तौल भी जब्त की हैं।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (ट्रांस यमुना रेंज) ने एक अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो मध्य प्रदेश और बिहार से दिल्ली-एनसीआर में अवैध हथियारों की सप्लाई कर रहा था।

यह कार्रवाई पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार और वीनीत कुमार तेवतिया के नेतृत्व में की गई, जिसमें एसीपी कैलाश सिंह बिष्ट की करीबी निगरानी रही। पुलिस ने नभा जेल, पटियाला (पंजाब) से संचालित हो रहे इस गिरोह का पता लगाया और तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने 5 अवैध पिस्तौल जब्त की

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अनिकेत, सौरव और आनंद कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5 अवैध पिस्तौल जब्त की है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश जारी है और आगे की जांच की जा रही है।

मोबाइल फोन चोर गिरोह का भंडाफोड़

इससे पहले मार्च में, दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उन्होंने चोरों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो मेट्रो स्टेशनों, बसों और भीड़भाड़ वाले बाजारों में यात्रियों को निशाना बनाते थे और फिर चोरी किए गए मोबाइल को पड़ोसी देशों बांग्लादेश और नेपाल में तस्करी करते थे।

दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उसके साइबर सेल, क्राइम ब्रांच ने मोबाइल फोन चोरों के एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जो दिल्ली/एनसीआर से चोरी किए गए फोन को बड़े पैमाने पर बांग्लादेश में खपाते थे और राष्ट्रीय राजधानी के सलीमगढ़ बाईपास, कोतवाली से पश्चिम बंगाल के एक तस्कर को गिरफ्तार किया।

48 मोबाइल फोन किए गए थे बरामद

पश्चिम बंगाल भागते समय उसके कब्जे से कुल 48 हाई-एंड चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए। बरामद फोन की अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद निवासी अब्दुश (उम्र 24 वर्ष) के रूप में हुई है।

चांदनी चौक में अवैध निर्माण पर दिल्ली हाईकोर्ट ने MCD से मांगी स्टेटस रिपोर्ट, मिली छह हफ्ते की डेडलाइन

अधिवक्ता इंदिरा गोस्वामी ने अदालत को बताया कि अवैध निर्माण से हजारों लोगों की जान को खतरा हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित पुनर्विकास निगम केवल नाममात्र का संगठन बनकर रह गया है और ऐतिहासिक चांदनी चौक के संरक्षण के अपने मूल उद्देश्य को पूरा करने में विफल रहा है। उन्होंने कहा यह जिम्मेदारियों को निभाने के बजाय सिर्फ सरकारी धन का दुरुपयोग करने में लगा है।

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने चांदनी चौक के अनिल और भगवती मार्केट में अवैध निर्माण के आरोपों पर संज्ञान लेते हुए नगर निगम (MCD) को विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है।

यह आदेश 12 मार्च 2025 को न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने जारी किया। अदालत ने MCD को छह सप्ताह के भीतर रिपोर्ट सौंपने को कहा है और इस मामले की अगली सुनवाई 21 मई को होगी।

याचिका में अवैध निर्माण हटाने की मांग

इस मामले में चांदनी चौक निवासी याचिकाकर्ता संजय कुमार वशिष्ठ ने अवैध निर्माण को तत्काल ध्वस्त करने की मांग की है। याचिका में आग लगने की घटनाओं को रोकने और आपात स्थितियों से निपटने के लिए ठोस दिशा-निर्देश और क्षेत्रीय योजना बनाने की भी अपील की गई है।

अधिवक्ता ने प्रशासन की नाकामी का लगाया आरोप

सुनवाई के दौरान, अधिवक्ता इंदिरा गोस्वामी ने अदालत को बताया कि अवैध निर्माण से हजारों लोगों की जान को खतरा हो सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि संबंधित पुनर्विकास निगम केवल नाममात्र का संगठन बनकर रह गया है और ऐतिहासिक चांदनी चौक के संरक्षण के अपने मूल उद्देश्य को पूरा करने में विफल रहा है।

उन्होंने कहा, ₹यह निगम अपनी वास्तविक जिम्मेदारियों को निभाने के बजाय सिर्फ कार्यालय चलाने और सरकारी धन का दुरुपयोग करने में लगा हुआ है।₹

RTI से भी नहीं मिला संतोषजनक जवाब

अधिवक्ता गोस्वामी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता संजय कुमार वशिष्ठ ने संबंधित सरकारी विभागों से शिकायत की थी और कई बार सूचना का अधिकार (RTI) के तहत जानकारी मांगी थी, लेकिन उन्हें स्पष्ट और संतोषजनक जवाब नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि विभिन्न सरकारी विभाग जिम्मेदारी लेने के बजाय एक-दूसरे पर दोष डालते रहे, जिससे चांदनी चौक में अवैध निर्माण पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

शहर में अपने घर का सपना होगा पूरा, जानिए घर बैठे कैसे करें आवेदन और किसे मिलेगा योजना का लाभ?

पीएम आवाज योजना के तहत शहरी क्षेत्र के बेघर लोगों को मिलेगा आशियाना। जानिए पीएम आवाज योजनाके लिए कैसे करें ऑनलाइन आवेदन और योजना का लाभ किसे मिलेगा। जरूरतमंदों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत योजना सर्वे का काम किया जा रहा है। योजना के तहत वही लोग पात्र होंगे जिनके पास पहले से शहर में खुद का पक्का घर नहीं है।

गुरुग्राम। शहरी क्षेत्र के बेघर लोगों को आशियाना उपलब्ध करवाने की केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना पीएम आवास 2.0 से बेघरों का घर का सपना पूरा होगा। नगर निगम गुरुग्राम क्षेत्र के बेघर लोगों के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने बताया कि शहर में घर की चाहत रखने वालों के लिए यह अच्छी खबर है। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना पार्ट टू शुरू की है। इसके लिए आवेदन मांगे गए हैं। विशेष बात यह है कि इस योजना में केवल बीपीएल ही नहीं, बल्कि अन्य मध्यम वर्गीय परिवार भी आवेदन कर सकते हैं।

ये लोग कर सकेंगे आवेदन

निगमायुक्त ने बताया कि केंद्र सरकार की पीएम आवास योजना पार्ट-टू के लिए कुछ मापदंड भी निर्धारित किए गए हैं। इसके अनुसार आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय वर्ग (एमआइजी) परिवार, जिनके पास देश में कहीं भी अपना कोई पक्का मकान नहीं है, वे पीएम आवास योजना-शहरी 2.0 के तहत घर खरीदने या निर्माण करने के पात्र होंगे। देश में कहीं भी आशियाना न होने पर योजना का लाभ मिलेगा।

ऐसे करना होगा आवेदन

योजना के लिए आवेदन ऑनलाइन ही स्वीकार किया जाएगा। मकान की चाहत रखने वाले पात्र व्यक्ति केंद्र सरकार के पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

सरकार की गाइडलाइन के अनुसार आवेदन करने वाले व्यक्ति के परिवार के सदस्यों का आधार कार्ड मोबाइल से लिंक होना अनिवार्य है।

लिंक न होने की स्थिति में ओटीपी नहीं आएगा तथा आवेदन मान्य नहीं होगा।

आवेदन करने के बाद नगर निगम की टीम मौके पर जाकर सत्यापन करेगी। यदि आवेदन के समय दी गई जानकारी सत्यापन के दौरान गलत पाई जाती है, तो आवेदन रद कर दिया जाएगा।

चार घटकों के माध्यम से मिलेगा लाभ

योजना के तहत चार घटकों अर्थात बीएलसी, एएचपी, एआरएच तथा आइएसएस के माध्यम से लाभ मिलेगा। इनमें लाभार्थी आधारित निर्माण (बीएलसी) के माध्यम से ईडब्ल्यूएस श्रेणियों से संबंधित पात्र परिवारों को अपनी भूमि नहीं होने पर भूमि अधिकार अर्थात पट्टा प्रदान किया जाएगा।

भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) के तहत सार्वजनिक व निजी संस्थाओं द्वारा ईडब्ल्यूएस के लिए बने हुए आवास आवंटित होंगे।

किफायती किराये के आवास (एआरएच) में शहरी प्रवासियों कामकाजी महिलाओं, औद्योगिक श्रमिकों, बेघर, निराश्रित, छात्रों और अन्य को आवास दिया जाएगा। ब्याज सब्सिडी योजना (आइएसएस) के तहत गृह ऋण पर सब्सिजी का लाभ 1.80 लाख रुपये तक प्रदान किया जाएगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत योजना प्लस 2.0 सर्वे शुरू

उधर, रेवाड़ी में डीआरडीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि गरीब व आवासहीन परिवारों की पहचान के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के तहत योजना प्लस 2.0 सर्वे आरंभ किया जा चूका है। उन सभी परिवारों का सर्वे करवाया जाना है, जिसका पक्का घर नही है, घर जर्जर हालत में है या वास्तव में आवास योजना के लिए जरूरतमंद है।

उन्होंने बताया कि इस योजना का उद्देश्य सभी पात्र परिवारों को खुद का घर उपलब्ध करवाना है, ताकि कोई परिवार बिना घर के नहीं रहे। अधिक जानकारी हेतू ग्राम सचिव, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी व मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद/डीआरडीए कार्यालय से संपर्क कर सकते है। कोई भी ग्रामीण परिवार अपने मोबाइल से स्वयं भी सर्वे कर सकता है।

दोस्तों के साथ होली खेलने जा रहे युवक की सड़क दुर्घटना में मौत, बाइक फिसलने से हुआ हादसा

परिवहन विशेष न्यूज

नोएडा के जेवर कोतवाली क्षेत्र में एक युवक की सड़क दुर्घटना में दर्दनाक मौत हो गई। युवक अपने दोस्तों के साथ होली खेलने जा रहा था तभी रास्ते में उसकी बाइक फिसल गई और वह बिजली के खंभे से टकरा गया। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ग्रेटर नोएडा। जेवर कोतवाली क्षेत्र के नीमका गांव में शुक्रवार शाम पड़ोसी गांव में दोस्तों के साथ होली खेलने जाते समय सड़क दुर्घटना में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। युवक अपने दोस्तों के साथ पड़ोसी गांव चौरोली में होली खेलने के लिए जा रहा था। रास्ते में नीमका चौरोली मार्ग पर मोड़ के समीप पड़े गोबर के घूरे से फिसलते हुए बाइक अनियंत्रित हो गई।

अनियंत्रित बाइक कुछ दूरी पर लगे बिजली के खंबे से टकरा गई। दुर्घटना में युवक को गंभीर चोटें आई। ग्रामीणों ने युवक को जेवर के प्राईवेट अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सौरव अपनी बाइक से जा रहा था

ग्रामीणों ने बताया कि जेवर के नीमका गांव निवासी राजकुमार सिंह के बड़ा बेटा सौरव उर्फ गोलू (22 वर्ष) शुक्रवार शाम चौरोली गांव से आए दोस्तों के साथ होली खेल रहा था। होली खेलने के बाद सौरव दोस्तों के साथ बाइक से होली खेलने के लिए चौरोली जाने लगा। दोस्त अपनी बाइक से चल रहे थे और सौरव अपनी बाइक पर अकेला था।

गोबर के घूरे पर बाइक फिसल गया

रास्ते में नीमका चौरोली मार्ग पर नीमका से लगभग 1 किमी दूर सड़क किनारे पड़े गोबर के ढेर (घूरे) पर बाइक का पहिया चढ़ते ही बाइक अनियंत्रित होकर बिजली के खंबे से टकरा गई। हादसे में सौरव के गंभीर चोटें आई परिजन और दोस्तों युवक को जेवर के कैलाश अस्पताल लेकर पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। स्वजन बिना पोस्टमार्टम कराए शुक्रवार शाम शव को अंतिम संस्कार करने के लिए नीमका गांव ले गए।

फौज में जाना चाहता था सौरव

ग्रामीणों ने बताया कि सौरव राजकुमार सिंह का बड़ा बेटा था। इंटर करने के बाद से फौज पुलिस की नौकरी के तैयारी करने के साथ ही परिवार को खेती बाड़ी में साथ देता था। जवान मौत से होली के त्योहार पर गांव में मातम पसर गया। युवक की मौत की सूचना के बाद गांव में लोगों ने होली बंद कर दी। सैकड़ों की संख्या में लोग मृत के घर सांत्वना देने पहुंचे।

कोतवाली निरीक्षक संजय सिंह ने बताया कि स्वजन ने युवक की मौत पर किसी तरह की पुलिस कार्रवाई से मना करते हुए त्योहार की वजह से बिना पोस्टमार्टम के शव का अंतिम संस्कार करने की जिद की थी। स्वजन शव को अंतिम संस्कार के लिए ले गए है।

जंगूरा और झुमरू की अब सिर्फ याद...

बॉलीवुड में खूब मशहूर हुए थे किंगडम ऑफ ड्रीम्स के शो

किंगडम ऑफ ड्रीम के मशहूर शो जंगूरा और झुमरू अब सिर्फ याद बनकर रह गए हैं। पिछले दो साल से बंद पड़े किंगडम ऑफ ड्रीम्स (केओडी) के नौटंकी महल में कोई थिएटर शो नहीं हो रहा है। कल्चर गली और पिछले साल थिएटर के जलने से इनके दोबारा शुरू होने की उम्मीद भी खत्म हो गई है। जानिए केओडी के इतिहास और इसके बंद होने के कारणों के बारे में।

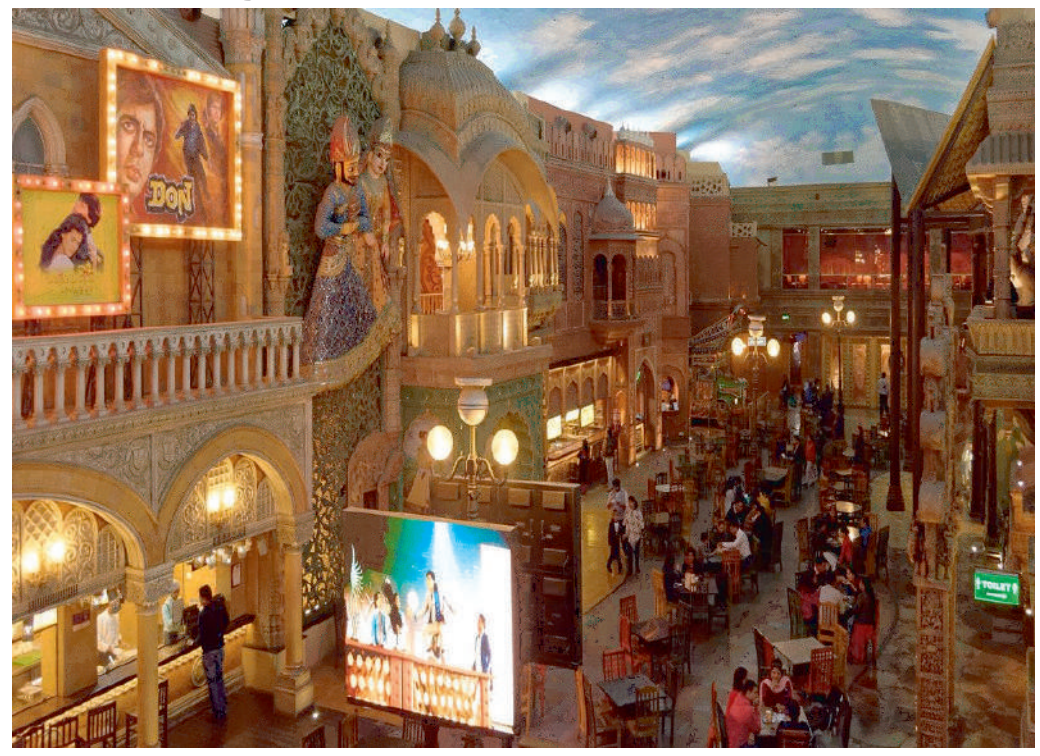

गुरुग्राम। बॉलीवुड में खूब मशहूर हुए जंगूरा... द जिप्सी प्रिंस और झुमरू शो की दर्शकों के दिलों में सिर्फ अब याद रह गई है। यूं तो पिछले दो साल से किंगडम ऑफ ड्रीम्स (केओडी) के बंद होने से इसके नौटंकी महल में कोई थिएटर शो नहीं हो रहा था, लेकिन अब कल्चर गली और पिछले साल थिएटर के जलने से इनके दोबारा शुरू होने की कोई उम्मीद भी नहीं बची है।

दिल्ली-NCR में था अट्रैक्शन का केंद्र

करोड़ों रुपये बकाया होने के चलते किंगडम ऑफ ड्रीम्स (Kingdom of Dreams) को वर्ष 2024 में हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने सील कर दिया था। केओडी पूरे दिल्ली-एनसीआर में आकर्षण का केंद्र था। यहां तक कि विदेशी सैलानी भी केओडी के थिएटर शो देखने के लिए आते थे।

किंगडम ऑफ ड्रीम्स बंद होने से पहले यहां के कल्चर गली रेस्टोरेंट में देश के 14 राज्यों का जायका मिलता था। फोटो- सोशल मीडिया

कॉमनवेल्थ गेम्स का थीम सॉन्ग भी केओडी के मंच पर हुआ था लॉन्च

29 जनवरी 2010 को केओडी का शुभारंभ हुआ था। 14 राज्यों के जायके वाली कल्चर गली रेस्टोरेंट की शुरुआत 30 जुलाई 2010 को हुई। 28 अगस्त 2010 को कॉमनवेल्थ गेम्स का थीम सॉन्ग (ए आर रहमान) जीयो, उठो, बढ़ो, जीतो भी किंगडम ऑफ ड्रीम्स के मंच पर लॉन्च किया गया था।

लगभग 12 साल तक इसमें खूब नाटक मंचन हुए और वीकेंड पर इसके थिएटर शो के लिए खूब भीड़ रहती थी। 19 सितंबर 2010 में ही बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान को केओडी कॉम्प्लेक्स का ग्लोबल एंबेसडर घोषित किया गया था।

बॉलीवुड से रहा नाता ...गौहर खान सहित कई एक्टर कर चुके परफॉर्म

केओडी का नौटंकी महल थिएटर कोई आम थिएटर नहीं था। यहां के दोनों प्रसिद्ध शो जंगूरा... द जिप्सी प्रिंस और आवाज के जादूगर और कामेडी के सरताज किशोर कुमार की याद में शुरू किए शो झुमरू में कई बॉलीवुड एक्टर परफॉर्म कर चुके हैं।

गौहर खान, कश्मीरा इरानी और हुसैन कुवाजेरवाला ने जंगूरा में मुख्य भूमिका में थे। झूमरू ने भी दर्शकों को खूब हंसाया था। दोनों के एक-एक हजार से ज्यादा शो केओडी में हुए थे।

अब पब और बार से पहचान

रंगमंच से जुड़े कलाकार विश्वदीपक त्रिखा का कहना है कि गुरुग्राम की विश्वभर में पहचान है, लेकिन यहां पर कलाकारों के लिए कोई स्टेज नहीं है। थिएटर की सविधा नहीं है।

केओडी के शो देखने के लिए देश ही नहीं बल्कि विदेश के लोग भी आते थे। इतने बड़े शहर में सांस्कृतिक केंद्र तो होना ही चाहिए। गुरुग्राम की पहचान सिर्फ पब-बार कल्चर से हो रही है।

[प्रसंगवश – 15 मार्च: विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस]

विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस: एक निष्पक्ष और पारदर्शी बाजार की ओर

हर व्यक्ति उपभोक्ता है, चाहे वह किसी भी वर्ग, व्यवसाय या स्थान से जुड़ा हो। हम जो पहनते हैं, जो खाते हैं, जो सेवाएँ लेते हैं—हर चीज़ हमें उपभोक्ता बनाती है। लेकिन क्या हर उपभोक्ता अपने अधिकारों से परिचित है? क्या उसे यह पता है कि उसे बाजार में क्या मिलना चाहिए और क्या नहीं? यदि नहीं, तो यह जागरूकता कब और कैसे आएगी? इन्हीं सवालों के समाधान के लिए हर साल 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है, ताकि हर उपभोक्ता अपने अधिकारों को समझे, उनके लिए आवाज उठाए और निष्पक्ष व पारदर्शी बाजार व्यवस्था की माँग करे।

वर्ष 2025 के लिए इस दिवस की थीम स्थायी जीवनशैली के लिए एक न्यायोचित परिवर्तन तय की गई है। यह केवल एक विषय नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं को एक नई दिशा में सोचने और कार्य करने के लिए प्रेरित करने का अवसर है। आज दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों की कमी और प्रदूषण जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। ऐसे में यह ज़रूरी हो गया है कि उपभोक्ता उन उत्पादों और सेवाओं को प्राथमिकता दें, जो पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ हों। बाजार में भी यह सुनिश्चित किया जाए कि उपभोक्ताओं को ऐसे विकल्प उपलब्ध कराए जाएँ जो किफायती, सुरक्षित और दीर्घकालिक लाभ देने वाले हों।

लेकिन उपभोक्ताओं को केवल उनके अधिकारों के बारे में बताना ही पर्याप्त नहीं है। असल समस्या यह है कि आज भी लाखों लोग अपने अधिकारों के प्रति अनजान हैं। उन्हें पता ही नहीं कि अगर उन्हें कोई खराब गुणवत्ता का उत्पाद मिलता है, या उन्हें किसी सेवा में धोखा दिया जाता है, तो वे कहाँ और कैसे शिकायत कर सकते हैं। कई बार, लोग शिकायत करने से कतराते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे कुछ बदलाव नहीं होगा। यही मानसिकता व्यापारिक अनियमितताओं को बढ़ावा देती है।

बाजार में हर दिन कई उपभोक्ता गलत जानकारी, भ्रामक विज्ञापनों, मिलावटी उत्पादों और अनुचित कीमतों का शिकार होते हैं। डिजिटल युग में ऑनलाइन धोखाधड़ी, डेटा चोरी और नकली उत्पादों का चलन बढ़ गया है। ऐसे में उपभोक्ताओं को जागरूक होना और अपने अधिकारों की रक्षा करना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। भारत में उपभोक्ताओं की सुरक्षा के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 लागू किया गया है, जिसमें उपभोक्ताओं को सुरक्षा, सूचना, सुनवाई, शिकायत निवारण और उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार दिया गया है। लेकिन कानून तभी प्रभावी होंगे, जब उपभोक्ता स्वयं सतर्क और जागरूक बनेंगे।

इस वर्ष, उपभोक्ता अधिकारों को लेकर वैश्विक स्तर पर एक नई दिशा में पहल की जा रही है। कंज्यूमर्स इंटरनेशनल और इसके सदस्य संगठनों द्वारा टिकाऊ जीवनशैली को अपनाने और

इसे सरल व सुलभ बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। यदि उपभोक्ता अपनी खरीदारी की आदतों में बदलाव लाएँ, तो वे न केवल अपने स्वास्थ्य और आर्थिक सुरक्षा को सुनिश्चित कर सकते हैं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे सकते हैं। उदाहरण के लिए, प्लास्टिक के बजाय पुनः उपयोग किए जाने वाले उत्पादों को अपनाना, जैविक खाद्य पदार्थों को प्राथमिकता देना और अनावश्यक उपभोग से बचना, ये सभी टिकाऊ जीवनशैली की ओर सकारात्मक कदम हो सकते हैं।

लेकिन यह बदलाव तभी संभव है, जब उपभोक्ता स्वयं जिम्मेदारी उठाएँ। हर उपभोक्ता का यह कर्तव्य है कि वह अपने क्रय-विक्रय के फैसलों को सोच-समझकर ले। कोई भी वस्तु खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता की जाँच करें, प्रमाणित विक्रेताओं से ही खरीदारी करें और किसी भी तरह की धोखाधड़ी या अनुचित व्यवहार का सामना करने पर उचित मंच पर शिकायत दर्ज कराएँ। उपभोक्ताओं को सतर्क रहना होगा, क्योंकि जब उपभोक्ता जागरूक होंगे, तभी कंपनियाँ भी अधिक उत्तरदायी बनेंगी और बाजार में अनुचित व्यापारिक प्रथाओं पर अंकुश लगेगा।

यह दिन केवल एक जागरूकता अभियान तक सीमित नहीं है। यह एक संकल्प लेने का अवसर है कि उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सजग रहेंगे और अपने निर्णयों को जिम्मेदारी के साथ लेंगे। यदि हर व्यक्ति अपने अधिकारों को समझेगा और टिकाऊ जीवनशैली को अपनाएगा, तो निश्चित रूप से एक न्यायसंगत, पारदर्शी और पर्यावरण-अनुकूल बाजार व्यवस्था का निर्माण होगा।

यह केवल एक दिन की बात नहीं, बल्कि एक सतत प्रक्रिया है। उपभोक्ता अधिकार केवल व्यक्तिगत सुरक्षा की बात नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की बेहतरी से जुड़ा हुआ विषय है। जब उपभोक्ता अपने अधिकारों को पहचानेंगे, जब वे अनुचित व्यापारिक नीतियों के खिलाफ आवाज उठाएँगे और जब वे टिकाऊ विकल्पों को अपनाएँगे, तब जाकर सही मायनों में एक संतुलित, न्यायसंगत और सशक्त उपभोक्ता संस्कृति का निर्माण होगा।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत", बड़वानी (मप्र)

इस दिन स्पोर्टी लुक में लॉन्च होगी फॉक्सवगन टाइगुअन, प्रीमियम इंटीरियर समेत ADAS फीचर्स से होगी लैस

स्पोर्टी लुक में भारत में लॉन्च होने वाली है। कंपनी इसे 14 अप्रैल 2025 को भारत में लॉन्च करेगी। इसका लुक स्पोर्टी होने के साथ ही पुराने मॉडल से मिलता-जुलता है। इसमें 2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन देखने के लिए मिल सकता है। इसके साथ ही यह कई बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स के साथ आने वाली है जिसमें ADAS फीचर्स भी शामिल होंगे।

नई दिल्ली। फॉक्सवगन ने अपनी नई जेनरेशन Tiguan R-Line को जल्द ही भारत में लॉन्च करने वाली है। इसके लिए कंपनी की तरफ से इसकी तारीख का एलान भी कर दिया गया है। इसे कंपनी भारत में 14 अप्रैल 2025 को लॉन्च करने वाली है। इसे ग्लोबल लेवल पर सितंबर 2023 में पेश किया गया था। अब इसके स्पोर्टी वेरिएंट 'R-Line' को भारत में लॉन्च होने वाली है। इसे भारत में CBU (Completely Built Unit) के रूप में लाया जाएगा।

स्पोर्टी डिजाइन

Tiguan R-Line का डिजाइन पुरानी Tiguan मॉडल से मिलता-जुलता है, लेकिन इसे स्पोर्टी लुक दिया गया है। इसमें ट्विन-पॉड LED हेडलाइट्स और LED DRL स्ट्रिप्स को दिया गया है, जो ग्लॉस ब्लैक ट्रिम के जरिए जुड़े हुए हैं। इस ट्रिम में 'R' बैज भी दिया गया है, जो इसे Tiguan के दूसरे मॉडल से अलग बनाता है। इसमें आगे की बम्पर में बड़े एयर इनटेक चैनल्स और डायमंड शेप्ड एक्सेंट्स को शामिल किया गया है। इसमें 20 इंच के ड्यूल-टोन अलॉय व्हील्स दिया गया है। इसके पीछे की तरफ कनेक्टेड LED टेल लाइट्स और पिक्सेलेटेड डिटेल्स दी गई है। इसके बंपर में भी डायमंड शेप्ड डिजाइन दिया गया है।

फीचर्स

Tiguan R-Line के इंटीरियर को भी स्पोर्टी लुक दिया गया है। इसमें ऑल-ब्लैक केबिन थीम के साथ ब्लैक सीट अपहोल्स्ट्री को दिया गया है। इसके डैशबोर्ड में एक ग्लॉस ब्लैक स्ट्रिप के साथ लाइटिंग एलिमेंट्स को जोड़ा जा सकता है। इसमें 12.9 इंच की टचस्क्रीन, पूरी तरह डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले, वायरलेस फोन चार्जर, पैनोरमिक सनरूफ, हेड्स-अप डिस्प्ले और फ्रंट सीट्स के लिए हीटेड और वेंटिलेटेड फंक्शन के साथ इलेक्ट्रॉनिक एडजस्टमेंट जैसे फीचर्स को शामिल किया गया है।

इसके सेफ्टी फीचर्स की बात करें तो Tiguan R-Line में कई एयरबैग्स, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (TPMS) और इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, लेन कीप असिस्ट, फॉरवर्ड कॉलिजन मिटीगेशन और एडाप्टिव क्रूज कंट्रोल और एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (ADAS) फीचर्स भी देखने के लिए मिल सकता है।

इंजन

भारत में लॉन्च होने जा रही Tiguan R-Line में वहीं पुराना 2-लीटर टर्बो-पेट्रोल इंजन देखने के लिए मिल सकता है, जो 190 PS की पावर और 320 Nm का टॉर्क जनरेट करेगा। इसमें 7-स्पीड DCT ट्रांसमिशन और ऑल व्हील ड्राइव मिल सकता है।

कीमत और प्रतिस्पर्धा

Volkswagen Tiguan R-Line की कीमत भारत में करीब 55 लाख रुपये एक्स-शोरूम हो सकती है। भारतीय बाजार में इसका मुकाबला Jeep Compass, Hyundai Tucson और Citroen C5 Aircross जैसी SUVs से देखने के लिए मिल सकता है।

किआ साइरॉस वर्सेज महिंद्रा XUV 3XO: इंजन, फीचर्स और कीमत के मामले में दोनों में से कौन सी एसयूवी रहेगी बेहतर

परिवहन विशेष न्यूज

किआ साइरॉस वर्सेज महिंद्रा XUV 3XO किआ की ओर से कुछ समय पहले ही सब फोर मीटर एसयूवी के तौर पर Kia Syros को लॉन्च किया गया है। इसके मुकाबले में Mahindra की ओर से XUV 3XO को काफी पसंद किया जाता है। इंजन फीचर्स और कीमत के मामले में दोनों में से किस एसयूवी को खरीदना आपके लिए बेहतर हो सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में सब फोर मीटर एसयूवी सेगमेंट में काफी तगड़ा मुकाबला होता है। इस सेगमेंट में लगभग सभी कंपनियों की ओर से बेहतरीन उत्पादों को लाया जाता है। February 2024 को इसी सेगमेंट में Kia Syros को लॉन्च किया गया है। जिसका सीधा मुकाबला Mahindra XUV 3XO एसयूवी के साथ होगा। दोनों एसयूवी में इंजन, फीचर्स और कीमत के मामले में किस एसयूवी को खरीदना आपके लिए बेहतर हो सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Kia Syros Vs Mahindra XUV 3XO Engine Details

Kia Syros में कंपनी की ओर से दो इंजन के विकल्प को ऑफर किया गया है। इसमें एक लीटर की क्षमता का टर्बो पेट्रोल इंजन दिया जाता है जिससे 120 पीएस की पावर और 172 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसके अलावा इसमें 1.5 लीटर की क्षमता का डीजल इंजन भी दिया गया है जिससे इसे 116 पीएस की पावर और 250 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। दोनों में ही मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के विकल्प मिलते हैं।

वहीं Mahindra XUV 3XO में 1.2 लीटर का तीन सिलेंडर टर्बो और तीन सिलेंडर टर्बो टीजीडीआई इंजन का विकल्प दिया जाता है। इसके सामान्य 1.2 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन से 111 हॉर्स पावर और 200 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसके 1.2 लीटर टर्बो टीजीडीआई इंजन से 131 हॉर्स पावर और 230 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है।

Kia Syros Vs Mahindra XUV 3XO Features

किआ की ओर से Syros SUV में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया गया है। इसमें 30 इंच का ट्रिनिटी पेनोरमिक डिस्प्ले पैनल दिया गया है। जिसमें कनेक्टिड कार नेविगेशन सिस्टम, ड्यूल पेन सनरूफ, 64 रंगों की एंबिएंट लाइट्स, रियर सीट रिक्लाइन, स्लाइड और वेंटिलेटिड जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

वहीं Mahindra XUV 3XO में पैनोरमिक सनरूफ, एलेक्सा बिल्ट-इन, व्हीलकल स्टेट्स मॉनिटरिंग और इन होम एलेक्सा, ADRENOX Connect, Level-2 ADAS, Harman Kardon Audio सिस्टम, 10.25 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 10.25-इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे कई फीचर्स मिलते हैं।

Kia Syros Vs Mahindra XUV 3XO Safety Features

Kia Syros में 15 ऑटोनॉमस सेफ्टी फीचर्स के साथ Level-2 ADAS को दिया जाता है। इसके अलावा इसमें ओटीए अपडेट, स्टैंडर्ड तौर पर छह एयरबैग, एबीएस, ईबीडी, हिल असिस्ट, पार्किंग सेंसर, पार्किंग कैमरा, आइसोफिक्स चाइल्ड एंकरेज जैसे कई सेफ्टी फीचर्स दिए जाते हैं।

वहीं Mahindra XUV 3XO में ब्लाइंड व्यू मॉनिटर, ड्राइव वीडियो रिकॉर्डिंग, इंटरैक्टिव पार्किंग गाइडेंस, ट्रिप समरी, रिमोट व्हीकल कंट्रोल, स्टैंडर्ड छह एयरबैग, चारों पहियों में डिस्क ब्रेक, 35 सेफ्टी फीचर्स, 360 डिग्री सराउंड व्यू सिस्टम जैसे फीचर्स दिए जाते हैं।

Kia Syros Vs Mahindra XUV 3XO Dimension

Kia Syros SUV की कुल लंबाई 3995 एमएम है। इसकी चौड़ाई 1805 एमएम, ऊंचाई 1625 एमएम है। इसका व्हीलबेस 2550 एमएम का है और इसमें 390 लीटर की क्षमता का बूट स्पेस दिया गया है।

वहीं Mahindra XUV 3XO की कुल लंबाई 3990 एमएम लंबाई के साथ लाया गया है। इसकी चौड़ाई 1821 एमएम, ऊंचाई 1647 एमएम है। इसका व्हीलबेस 2600 एमएम है। एसयूवी में 42 लीटर का पेट्रोल टैंक मिल रहा है और इसमें सामान रखने के लिए 364 लीटर का बूट स्पेस दिया जा रहा है।

Kia Syros Vs Mahindra XUV 3XO Price

Kia की ओर से Syros को नौ लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर लॉन्च किया गया है। इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 16.70 लाख रुपये रखी गई है।

वहीं Mahindra XUV 3XO की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत 7.99 लाख रुपये है और इसके टॉप वेरिएंट की एक्स शोरूम कीमत 15.56 लाख रुपये है।

स्विफ्ट वर्सेज अल्ट्रोज: इंजन, माइलेज और परफॉर्मेंस में कौन है बेस्ट हैचबैक कार

हम यहां पर आपको मारुति सुजुकी स्विफ्ट और टाटा अल्ट्रोज की तुलना करते हुए बता रहे हैं कौन-सी हैचबैक कार ज्यादा बेहतर है। इसके साथ ही बता रहे हैं कि इन दोनों गाड़ियों में से कौन-सी ज्यादा माइलेज देने के साथ ही कैसा परफॉर्मेंस देती है। आइए इनकी तुलना करते हुए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में हैचबैक सेगमेंट में कई गाड़ियां पेश की जाती है। इस सेगमेंट में Maruti Suzuki Swift और Tata Altroz को ऑफर किया जाता है। यह दोनों ही कई बेहतरीन फीचर्स के साथ आती है। यह दोनों ही कार डिजाइन, परफॉर्मेंस और किफायती कीमत में बेहतरीन ऑप्शन प्रस्तुत करती है। आइए जानते हैं कि दोनों हैचबैक कारों (Maruti Swift vs Tata Altroz) के बीच कौन-सी बेहतर है?

1.कीमत

वेरिएंट	Tata Altroz	Maruti Suzuki Swift
बेस मॉडल	6.64 लाख रुपये	6,49 लाख रुपये
टॉप मॉडल	13.36 लाख रुपये	10.80 लाख रुपये
ऑटोमेटिक	9.42 लाख रुपये	8.38 लाख से 10.80 लाख रुपये तक
CNG	8.56 लाख रुपये से शुरू	9.16 लाख रुपये से शुरू

2.डिजाइन और स्टाइलिंग

Maruti Suzuki Swift: इसका डिजाइन काफी मिनिमलिस्ट और स्पोर्टी है। इसका फ्रंट ग्रिल और आकर्षक कैरेक्टर क्रीज़ इसे एक दमदार लुक देते हैं। तीसरी जनरेशन की Swift के साइज और डिजाइन में सुधार किया गया है और इसके ग्रिल में नया हनीकॉम्ब पैटर्न और क्रोम स्ट्रिप भी शामिल किया गया है। यह सड़क पर चलने पर अलग पहचान बनाती है और अपनी स्पोर्टी लुक की वजह से काफी पॉपुलर भी है।

Tata Altroz: डिजाइन काफी स्पोर्टी और प्रीमियम है। इसमें फ्लोटिंग रूफ डिज़ाइन और एलईडी हेडलाइट्स जैसी आधुनिक और आकर्षक फीचर्स दिए गए हैं। इसमें दिया गया फ्रंट ग्रिल और पतले हेडलाइट्स इसे एक दमदार लुक देते हैं। इसका डिजाइन काफी प्रीमियम फील देता है।

3.इंजन और परफॉर्मेंस

Maruti Suzuki Swift: इसे 1,197cc का पेट्रोल और CNG इंजन के साथ ऑफर किया जाता है। यह कार स्पोर्टी ड्राइव और बेहतरीन हैंडलिंग के लिए जानी जाती है। स्विफ्ट का ड्राइविंग एक्सपीरियंस तेज और रोमांचक है। इसकी फ्यूल एफिशिएंसी काफी बेहतर है।

Tata Altroz: इसे 1,199cc का पेट्रोल, डीजल और CNG इंजन ऑफर किया जाता है। इसे लंबी दूरी सफर के लिए काफी बेहतर माना जाता है, क्योंकि इसकी राइड क्वालिटी काफी बेहतर है। इसमें सफर करने पर काफी प्रीमियम फील भी मिलता है।

फ्यूल टाइप और ट्रांसमिशन

फ्यूल टाइप और ट्रांसमिशन	Altroz माइलेज	Swift माइलेज
Manual + Petrol	19.05 Km/l	23.20 Km/l
Manual + CNG	27.00 Km/Kg	30.90 Km/Kg
Automatic + Petrol	18.18 Km/l	23.76 Km/l
Automatic + CNG	NA	

करना है बाइक से लंबा सफर, इन चार बातों का रखें ध्यान, कभी नहीं होगी परेशानी

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में लगातार बेहतर होती सड़कों के कारण कई लोग कार से सफर करते हैं लेकिन कुछ खास लोग लंबी दूरी की यात्रा करने के लिए बाइक को चुनते हैं। अगर आप भी उन खास लोगों में शामिल हैं और बाइक पर लंबे सफर की तैयारी कर रहे हैं तो किन बातों का ध्यान रखते हुए बिना सफर किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में सड़कों और हाइवे की स्थिति में लगातार सुधार हो रहा है। जिसके कारण अब लोग बस, ट्रेन के साथ ही अपने वाहन से भी लंबा सफर करना पसंद करते हैं। ऐसे ही कुछ खास लोग बाइक पर घूमने के लिए लंबे सफर पर निकल जाते हैं। अगर आप भी लंबे सफर पर बाइक से जाने की तैयारी कर रहे हैं, तो किन चार बातों का ध्यान रखना काफी (Long Distance Bike Travel Tips) जरूरी हो जाता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

बाइक को करें तैयार

अगर आप अपनी बाइक से लंबी दूरी के सफर को करने की तैयारी कर रहे हैं तो सबसे पहले बाइक का ध्यान रखना चाहिए। अगर बाइक में बीच सफर कोई परेशानी आ जाए तो फिर मंजिल तक पहुंचने में काफी परेशानी हो सकती है। इसलिए बाइक से सफर को शुरू करने से पहले अच्छे सर्विस सेंटर पर जाकर बाइक को चेक करवाना चाहिए और सर्विस करवानी चाहिए। बाइक के ब्रेक, लाइट्स, इंजन ऑयल, ऑयल फिल्टर, इंडीकेटर आदि को चेक करवाना चाहिए और जरुरत हो तो बदल देना चाहिए।

ऐसे रखें सामान

बाइक पर जब भी लंबे सफर के लिए निकलना हो, तो साथ में काफी ज्यादा सामान भी जाने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसे में समस्या यह आती है कि सामान को अच्छी तरह से कैसे बाइक पर रखा जाए। इसके लिए अच्छी क्वालिटी की रस्सियां ले सकते हैं। या फिर बाजार में कई ऐसे विकल्प भी आसानी से उपलब्ध हैं, जिनको बाइक पर लगाकर सामाया जा सकता है और उनमें सामान रखा जा सकता है।

खुद को करें तैयार

बाइक पर सामान रखने के साथ ही खुद को भी लंबे सफर के लिए तैयार करना काफी जरूरी हो जाता है। इसलिए अपने लिए बेहतर क्वालिटी की राइडिंग जैकेट और पेंट को खरीदा जा सकता है। कई कंपनियों की ओर से ऐसी जैकेट और पेंट भी तैयार की जाती हैं, जो बारिश में गीली नहीं होती और कई घंटों तक उनको पहनने में परेशानी भी नहीं होती। इसके अलावा अच्छी क्वालिटी के हैलमैट और ग्लव्स का भी उपयोग करने से आपको लंबे सफर में सुरक्षा भी मिलती है।

इन छोटी बातों का भी रखें ध्यान

जब भी बाइक से लंबे सफर पर निकलें। तो हमेशा अपने साथ कुछ ऐसे सामान को भी रखना चाहिए। जो खराब स्थिति में बाइक के साथ ही आपका ध्यान भी रखें। बाइक के लिए पंचर रिपेयर किट, अतिरिक्त लाइट और पेट्रोल के लिए जैरी कैन को रखना चाहिए। वहीं अपने लिए भी कुछ खाने का सामान रखा जा सकता है।

न क्लच की किच-किच, न गियर बदलने का झंझट; कितनी दमदार है रिवोल्ट की साइलेंट बाइक

परिवहन विशेष न्यूज

रिवोल्ट की तरफ से नई इलेक्ट्रिक बाइक RV BlazeX को लॉन्च किया गया है। इसमें कई नए बेहतरीन फीचर्स दिए गए हैं और इसकी रेंज को भी बढ़ाया गया है। हमने इसे गो कार्ट ट्रैक पर चलाकर इसे कई कसौटियों पर समझने की कोशिश की। आइए जानते हैं कि Revolt RV BlazeX कितनी दमदार है।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में कई ऑटोमेकर हैं, जो इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ऑफर करते हैं। उन्ही की तरह इलेक्ट्रिक बाइक बनाने वाली कंपनी Revolt भी ऑफर करती है। यह कंपनी की नई बाइक है जिसे बाकी कंपनी की दूसरी इलेक्ट्रिक बाइक के मुकाबले ज्यादा फीचर्स से लैस करने के साथ ही ड्राइविंग रेंज को बेहतर करने पर भी काम किया गया है। हाल ही में कंपनी की नई इलेक्ट्रिक बाइक Revolt RV BlazeX को एक्स-शोरूम कीमत 1,14,990 रुपये में लॉन्च किया गया है। जिसे हमें गो कार्ट ट्रैक पर चलाने का मौका मिला। बाइक को (Revolt RV BlazeX First Ride Review) चलाने के दौरान हमने इसे कई कसौटियों पर समझने की कोशिश की। आइए जानते हैं कि इस इलेक्ट्रिक बाइक को खरीदना आपके लिए कितना किफायती हो सकता है।

1. डिजाइन और फीचर्स

Revolt RV BlazeX इलेक्ट्रिक बाइक को स्टाइलिश, मॉडर्न और अट्रैक्टिव डिजाइन देने की कोशिश की गई है। इसे दो कलर स्कीम Sterling Silver Black और Eclipse Red Black में लाया गया है। इस इलेक्ट्रिक बाइक में 6 इंच LCD डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल दिया गया है, जिसमें बैटरी कितनी चार्ज है, बाइक की स्पीड, किस राइड मोड पर चल रही है, हेडलाइन ऑन-ऑफ, इंडिकेटर जैसी जानकारी मिलती है। रात के साथ ही बाइक को दिन में चलाने पर भी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर में जानकारी देखने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं लगी। बाइक में 790mm की ऊंचाई पर सिंगल सीट दी गई है। ऐसे में स्प्लिट सीट्स वाली बाइक के मुकाबले में इस पर राइडर और पिलियन को बैठने में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी।

2. बैटरी और परफॉर्मेंस

डिजाइन के बाद बाइक की बैटरी पैक और परफॉर्मेंस की बात करते हैं। इसमें 3.24 KWh की लिथियम आयन की रिमूवेबल बैटरी दी गई है, जिसका फायदा यह होता है कि इसे बाइक से निकालकर घर या ऑफिस में चार्ज किया जा सकता है। जिसके साथ 4.1kW की मिड-ड्राइव मोटर का इस्तेमाल किया गया है, जो 45 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इसमें दी गई बैटरी फास्ट चार्जिंग के मदद से 0-80% तक महज 1 घंटे 20 मिनट और नॉर्मल चार्जर से चार्ज करने पर 3 घंटे 30 मिनट का समय लेती है। इसमें तीन राइडिंग मोड्स Eco, City और Sports को दिया गया है। कंपनी के मुताबिक इसे Eco मोड पर चलाने पर करीब 150 किमी तक की रेंज मिलती है।

इसके परफॉर्मेंस की बात करें तो जब इसे हमने चलाया तो यह ECO मोड पर 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार, City मोड पर 49 किमी प्रति घंटे की स्पीड तक ले जाए पाए। वहीं, बात करे इसके Sports मोड की तो अगर आप तेज स्पीड में बाइक राइड करना चाहते हैं, तो इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। कंपनी की तरफ से दावा किया जाता है कि बाइक को इस मोड पर 85 kmph की स्पीड तक चलाया जा सकता है। वहीं, जब इसे हमने गो कार्टिंग ट्रैक पर चलाया तो Revolt RV Blazex को 68 kmph तक की स्पीड तक चला पाए। बाइक में रिवर्स मोड भी दिया गया है, जिसकी मदद से बाइक को रिवर्स करने में काफी मदद मिलती सकती है।

3. ब्रेकिंग सिस्टम

बाइक में फ्रंट और रियर दोनों में 240mm डिस्क ब्रेक्स दिए गए हैं। इन्हें कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम (CBS) के साथ दिया गया है। रेस ट्रैक पर चलाते हुए 50kmph की स्पीड पर जब ब्रेक लगाए गए तो बाइक काफी आराम से और स्थिर रहते हुए रूकी। यह ब्रेक उन स्थितियों में आपको काफी कारगर लगेंगे, जब सड़क पर आप तेज स्पीड में बाइक को चला रहे हों और अचानक आपको ब्रेक लगाने की जरुरत पड़ जाए। हालांकि, हमने इस बाइक को एक ट्रैक पर ही चलाया, ऐसे में सड़कों पर वास्तविक स्थिति में इसे चलाने पर अनुभव में थोड़ा अंतर हो सकता है।

पढ़ाई में अव्वल, हुनर में पिछड़ते युवा

विजय गर्ग

देश के सत्ताइस सौ से अधिक विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों के परिसरों में मौजूद लाख से ज्यादा छात्रों के बीच जुटाए आंकड़ों से तैयार की गई मर्सर-मेटल की रपट इस मामले में पिछले वर्षों के मुकाबले गिरावट दर्शा रही है। वर्ष 2024 में देश के 42.6 फीसद भारतीय स्नातक रोजगार योग्य पाए गए, जो 2023 के 44.3 फीसद के मुकाबले एक फीसद कम हैं।

देश में अरसे से यह आह्वान किया जाता रहा है कि शिक्षा रोजगारपरक होनी चाहिए। यह मिथक अब टूट चुका है कि पढ़ाई का उद्देश्य सिर्फ ज्ञानार्जन होता है। आज हमारे देश में विद्यार्थी बेहद महंगी हो चुकी पढ़ाई इसलिए करते हैं, ताकि उन्हें कोई रोजगार, खासकर नौकरी मिल सके। ऐसे दौर ₹में, जबकि कृत्रिम बुद्धिमता (एआइ) आगमन न के साथ रोजगार संकट गहराता लग रहा है, कुछ अध्ययन यह साबित कर र रहे हैं कि हमारे नौजवान हुनर या दक्षता के मामले में वह धार खो चुके हैं, जो उन्हें किसी नौकरी या रोजगार के काबिल बनाती है। इसकी पुष्टि मर्सर मेटल की रपट से भी हुई है कि विश्वविद्यालयों से निकले केवल 42.6 फीसद भारतीय स्नातक रोजगार योग्य हैं। इनमें गैर-तकनीकी दक्षता से लेकर रचनात्मक श्रेणी के रोजगार शामिल हैं।

देश के सत्ताइस सौ से अधिक विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों के परिसरों में मौजूद लाख से ज्यादा छात्रों के बीच जुटाए आंकड़ों से तैयार की गई मर्सर-मेटल की रपट इस मामले में पिछले वर्षों के मुकाबले गिरावट दर्शा रही है। वर्ष 2024 में देश के 42.6 फीसद भारतीय स्नातक रोजगार योग्य पाए गए, जो 2023 के 44.3 फीसद के मुकाबले एक फीसद कम हैं। रपट के मुताबिक इस गिरावट की मुख्य वजह तकनीकी कौशल की कमी है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग या कृत्रिम बुद्धिमता से जुड़ी नौकरियों में युवा रोजगार लायक हुनर हासिल कर रहे हैं, जबकि मानविकी कला आदि संकायों में उनकी दक्षता में गिरावट आ रही है। अगर राज्यवार बात की जाए तो मर्सर मेटल की रपट कहती कि भारत के स्नातक कौशल सूचकांक 2025 में दिल्ली के युवा 53.4 फीसद के साथ रोजगार क्षमता में सबसे ऊपर है।

करीब छह वर्ष पहले एक एजेंसी 'एस्पाइरिंग माइंड' 'की रपट में भी ऐसे ही खुलासे किए गए थे। इसमें कहा गया था कि हमारे देश में इंजीनियरिंग कर चुके 80 फीसद छात्र नौकरी के काबिल नहीं हैं, क्योंकि उनमें नौकरी की जरूरत के मुताबिक कौशल की काफी कमी होती है। यह रपट 650 से ज्यादा इंजीनियरिंग कालेजों के उन डेढ़ लाख इंजीनियरिंग स्नातकों पर आधारित थी, जिन्होंने करीब दस साल पहले 20151 में डिग्री हासिल की थी। इस रपट के दावों की पुष्टि नेशनल सैंपल सर्वे आफिस (एनएसएसओ) के सर्वेक्षण से भी हुई थी, जिसमें कहा गया था कि देश के स्नातक दस युवाओं में से महज एक युवा ऐसा प्रशिक्षण यानी 'वोकेशनल ट्रेनिंग' हासिल करता है, जिसके बल पर उसे नौकरी दी जा सके। ऐसे दौर में, जब देश में 'स्किल इंडिया' जैसे महत्त्वाकांक्षी कार्यक्रम में देश के करोड़ों युवाओं को हुनरमंद बना कर उन्हें रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है, समय-समय पर आने वाले सर्वेक्षणों और रपटों के तथ्य तथा आंकड़े हमें हैरान करते हैं।

ऐसे में यह अहम सवाल है कि आखिर कैसे हमारा देश अपने युवाओं में वह दक्षता पैदा कर पाएगा, जिसके बल पर वे कोई अच्छी नौकरी पाने या कोई कारोबार खड़ा करने की स्थिति में आ सकता है। हालांकि इस मामले से जुड़ा एक गंभीर पहलू यह भी है कि हमारे देश में सरकारों के पास फिलहाल 35-50 लाख युवाओं को ही हर साल किसी एक क्षेत्र में दक्ष बनाने वाले प्रशिक्षण का प्रबंध है। इसकी तुलना पड़ोसी चीन से करें, तो पता चलता है कि वहां सालाना नौ करोड़ युवाओं को हुनरमंद बनाने का इंतजाम सरकार की तरफ से किया गया है।

इस समस्या का दूसरा पहलू और गंभीर है। यह पहलू शिक्षण- प्रशिक्षण की गुणवत्ता से जुड़ा है। यह देखा जा रहा है कि अगर युवा किसी तरह नामी शिक्षण-प्रशिक्षण संस्थानों में दाखिला पा जाते हैं, तो भी इसकी कोई गारंटी नहीं है कि वहां से जो डिग्री या डिप्लोमा लेकर निकलेंगे, उसके बल पर वे इतने काबिल हो सकेंगे कि अपने क्षेत्र में हर चुनौती का मुकाबला कर सकें। यह मामला स्कूल, x कालेजों और प्रतिष्ठानों में दी जा रही शिक्षा की खराब गुणवत्ता का है। कुछ ही वर्ष पहले पीयर्सन नामक कंपनी ने देश के 527 शहरों के उच्च उच्च शिक्षा प्रतिष्ठानों और स्कूलों के बीच एक सर्वेक्षण किया था। इसमें कहा गया था कि देश की राजधानी दिल्ली तक में शिक्षक इसका खयाल नहीं रखते कि शिक्षा व्यवस्था विद्यार्थियों को प्रशिक्षण मुहैया करा पा रही है या नहीं। यही कारण है कि देश में लाखों युवा पढ़े-लिखे होने के बावजूद खुद को किसी ठीक-ठाक नौकरी के लिए तैयार नहीं कर पाए या उसमें अपनी योग्यता नहीं दिखा पाए। जाहिर है, इसमें एक बड़ी समस्या मौजूदा शिक्षा तंत्र की है, जो छात्रों को वैसी शिक्षा और प्रशिक्षण नहीं पा रहा है, जो अच्छी नौकरी पाने या अपना कोई व्यवसाय खड़ा करने में उनकी मदद करे

आज सबसे अहम बात यह है कि युवाओं की रोजगार क्षमता मांग के हिसाब से होनी चाहिए। यानी वे ऐसे हुनर से लैस हों, जिसकी उद्योग को जरूरत है और जिसे नवीनतम तकनीक के अनुसार ढाला जा सके। यह बात चीन, जापान, कोरिया और जर्मनी जैसे देशों ने सीखी है। लिहाजा, वहां का अधिकतर मानव संसाधन दक्ष है और यही उनकी सफलता का राज है। असल में, दक्ष लोगों में एक अलग तरह का आत्मविश्वास होता है। वे एक चीज को सीखने के बाद दूसरी नई चीज सीखना चाहते हैं और यही ललक उन्हें दूसरों से अलग करती है। इस पैमाने पर भारत को देखें, तो यहां के शहरों में ही इस नएपन की थोड़ी-बहुत झलक मिलती है। शहरों के युवा अच्छे जीवन की चाह में नए कौशल सीखते हैं और नई चुनौतियों के लिए खुद को तैयार करने की कोशिश करते हैं। जैसे, इधर एआइ से जुड़ी डिग्री लेने का चलन शहरों में बढ़ा है। लेकिन देश के गांव- कस्बों में ऐसी इच्छा का घोर अभाव है।

गांव-कस्बों और छोटे शहरों में बेरोजगारी की समस्या इसीलिए तेजी से विकराल होती जा रही है। यदि वहां के युवा शहर जाकर कोई तकनीकी डिग्री हासिल कर लेते हैं, तो गांव-कस्बों में लौटने के बाद वे वहां अपने हुनर को आजमा नहीं पाते हैं। इस कारण उनके व्यावहारिक अनुभव में कमी रह जाती है, जिससे नौकरी की होड़ में वे पिछड़ जाते हैं। इसका परिणाम देश में हुनरमंद लोगों की कमी के रूप में सामने आता है। यदि लोगों के पास कोई कौशल हो लेकिन वह उद्योग की मांग के मुताबिक न हो, पाता है। ऐसी स्थिति में दक्षता होने के बावजूद लोगों को रोजगार नहीं रहा है। निश्चय ही ऐसे निष्कर्ष चिंताजनक हैं और सरकारों इस दिशा में गंभीरता से सोचना चाहिए कि आखिर वह अपनी युवा आबादी को किस तरह की शिक्षा मुहैया करा रही है। सर्वेक्षणों के नतीजे हमें यह सोचने को भी मजबूर करते हैं कि आखिर हम युवा पीढ़ी को उनके सपने साकार करने के लिए क्यों तैयार नहीं कर पा रहे हैं।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

समय रहते संवाद

विजय गर्ग

किसी भी वस्तु, भावना या रिश्ते को तभी मूल्यवान माना जा सकता है जब वह सही समय पर मिले और सही रूप में स्वीकार किया जाए। अगर समय पर किसी चीज की कद्र नहीं की जाती, तो धीरे-धीरे वह अपने मोल को खो देती है। जीवन की सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि जो हमें आज प्रिय है, वह भविष्य में उतना ही महत्त्वहीन हो जा सकता है, अगर हमने उसे समय पर समझा और संजोया नहीं। यह सच है कि अगर हम मिठास चखने के बाद लंबे समय तक पानी न पिएं, तो मिठास फीकी पड़ जाती है और धीरे-धीरे हमारी प्यास भी मर जाती है। ठीक वैसे ही, अगर हम अपने रिश्तों में भावनाओं को समय पर अभिव्यक्त नहीं करते, तो न केवल वे भावनाएं निस्तेज हो जाती हैं, बल्कि उस रिश्ते की ऊष्मा भी ठंडी पड़ जाती है।

रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए आवश्यक है कि हम उन्हें समय पर समझें और उसमें मौजूद भावनाओं की सही रूप में कद्र करें। जब हम अपने किसी प्रियजन से गिले-शिकवे करते हैं, तो इसका अर्थ यह होता है कि हम उस रिश्ते से अब भी उम्मीद रखते हैं, लेकिन जब शिकायतें खत्म हो जाएं, तो इसका अर्थ यह है कि अब दिल मौन हो चुका है और इस मौन को तोड़ना आसान नहीं होता। कई बार हम किसी अपने से बार-बार अपनी भावनाएं साझा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जब हमारी बातों को समझने की कोशिश नहीं होती, तो हम धीरे-धीरे खामोश हो जाते हैं। यह खामोशी केवल शब्दों का अभाव नहीं होती, बल्कि यह एक गहरे दर्द और अस्वीकार्यता की प्रतिध्वनि होती है।

अगर हम अपने जीवन के उन पलों को देखें, जब हमारी भावनाओं की कद्र नहीं की गई, तो हमें अहसास होगा कि कोई व्यक्ति हमें कितना प्रिय था। मगर जब वही व्यक्ति हमारी अहमियत को तब समझे, जब हम उससे भावनात्मक रूप दू चुके हों, तो न हमें खुशी होती है और न ही कोई संतोष का अहसास होता है। इसलिए सही समय पर भावनाओं को व्यक्त करना ही सबसे महत्त्वपूर्ण होता है। रिश्तों में संवाद का खास महत्त्व होता है। जब तक संवाद होता है, तब तक रिश्ते में जीवन रहता । मगर जब संवाद खत्म हो जाता है, तो वह रिश्ता धीरे-धीरे मृतप्राय हो जाता है। इसलिए कहा जाता है- 'रूठी हुई खामोशी से, बोलती हुई शिकायतें अच्छी होती हैं।'

सम्मान और समझदारी किसी भी रिश्ते में सबसे जरूरी होती है। अगर हम अपने करीबी लोगों की भावनाओं को नजरअंदाज करते हैं, तो धीरे-धीरे वे हमसे दूर होने लगते हैं । हम यह सोचते हैं कि वे हमेशा हमारे पास रहेंगे, लेकिन यह भ्रम अधिक समय तक नहीं टिकता। कई बार लोग अपने रिश्तों में इतने व्यस्त हो जाते हैं कि वे यह भूल जाते हैं कि इसका हासिल क्या होगा। रिश्तों को समय देना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितना कि उनके लिए प्रयास करना । कई रिश्ते इसीलिए टूटते हैं, क्योंकि उनमें समय रहते आपसी समझदारी और सम्मान की भावना खो जाती है।

खामोशी केवल शब्दों की अनुपस्थिति नहीं होती, बल्कि यह एक गहरी पीड़ा को भी दर्शाती है। जब कोई व्यक्ति बार - बार अपनी बात कहकर थक जाता है और जवाब में केवल उपेक्षा पाता है, तो वह आखिरकार चुप हो जाता है। इस चुप्पी के पीछे अस्वीकार्यता और भावनात्मक थकान हो सकती है। अगर किसी अपने या करीबी से शिकायतें बंद हो गई हैं, तो इसका अर्थ यह नहीं है कि समस्या समाप्त हो गई है, बल्कि यह संकेत है कि अब वह व्यक्ति उस रिश्ते में अपनी ऊर्जा नहीं लगाना चाहता। इसलिए अगर कोई हमसे शिकायत कर रहा है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि यह समझने की जरूरत है कि शिकायत करने वाला व्यक्ति अब भी रिश्ते को बचाने की कोशिश कर रहा है।

कई लोग यह सोचते हैं कि वे किसी भी समय अपने प्रियजनों से माफी मांग सकते हैं। उन्हें समझ सकते हैं या उन्हें अहमियत दे सकते हैं। लेकिन यह सच नहीं है। जब तक समय सही होता है, तब तक भावनाएं सार्थक होती हैं। एक बार जब समय निकल जाता है, तो चाहे हम कितनी भी कोशिश कर लें, उस व्यक्ति के लिए हमारी भावनाओं का कोई महत्त्व नहीं रह जाता। इसलिए अगर हमें किसी अपने की अहमियत का अहसास हो रहा है, तो देर नहीं करना चाहिए । अपनी भावनाओं को व्यक्त करके और उस रिश्ते को फिर से मजबूत बनाने का प्रयास करने की जरूरत है।

रिश्तों में खामोशी एक तरह की दीवार बन जाती है, जो धीरे-धीरे दोनों व्यक्तियों के बीच दूरी बढ़ा देती है। जब तक संवाद बना रहता है, तब तक रिश्ते में जान होती है, लेकिन जब यह मौन स्थायी रूप से घर कर जाता है, तो उसे तोड़ना लगभग असंभव हो जाता है। इसलिए जरूरी है कि जब भी कोई व्यक्ति अपने दिल की बात कहे, तो उसे गंभीरता से सुना जाए और उसकी भावनाओं का सम्मान किया जाए । यह न केवल उस व्यक्ति को राहत देता है, बल्कि रिश्ते को भी मजबूत बनाता है। रिश्ते वही टिकते हैं, जहां आपसी सम्मान, समझदारी और समय पर भावनाओं की अभिव्यक्ति होती है। जब तक हम किसी की शिकायतों को सुनते हैं, तब तक हमें यह समझना चाहिए कि वे अब भी उम्मीद रख रहे हैं। मगर जब शिकायतें भी खत्म हो जाएं, तो यह संकेत होता है कि अब व्यक्ति का अंतस मौन हो चुका है। उस मौन को तोड़ना कई बार असंभव हो जाता है। इसलिए अगर कोई हमसे शिकायत कर रहा है, तो उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए, बल्कि उसकी भावनाओं को समझने की कोशिश करना चाहिए। जब मन में खामोशी घर बना लेती है, तब न तो कोई सवाल बचते हैं और न ही कोई जवाब। समय रहते अपने रिश्तों को संजो लेने की जरूरत है, क्योंकि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता ।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

कहानी: आदर्श मत बनना तनु

विजय गर्ग

सब के मन की करती तनु से उस की सास ने कहा कि बहू अपने मन की किया करो. यह सुन तनु पसोपेश में पड़ गई और फिर.

शाम के वक्त 7 बजे थे. अनिल ने औफिस से आते ही बैग सोफे पर पटका और फ्रेश होने चला गया. वहीं बैठी उस की मां माया उस के लिए चाय बनाने के लिए उठ गई. उन्होंने टाइम देखा, बहू तनु भी औफिस से आने ही वाली होगी, यह सोच कर उस के लिए भी चाय चढ़ा दी. चाय बनी ही थी कि डोरबैल बजी. तनु भी आ गई थी. माया को प्यार से देख कर मुसकराई. माया ने स्नेहपूर्वक कहा, "बेटा, तुम भी फ्रेश हो जाओ, चाय तैयार ही है."

माया के पति टी वी देख रहे थे. वे औफिस से जल्दी आते हैं. माया ने बहू व बेटे को चाय पिलाई. अनिल ने झींकते हुए कहा, "तनु, आज सुबह सब्जी में कितना नमक था, बहुत गुस्सा आया मुझे. और एक तो यह गट्टे की सब्जी क्यों बनाई ? मुझे जरा भी पसंद नहीं. मां,आप ने भी तनु को नहीं बताया कि मैं यह सब्जी नहीं खाता.

"तनु को पसंद है. तुम्हारी शादी को 5 महीने ही हुए हैं, तनु को इस सब्जी का शौक है और इस सब्जी को बनाने में उस ने सुबहसुबह बहुत मेहनत की है. कभी तुम उस की पसंद का खाओ, कभी वह तुम्हारी पसंद का खाए. और सब्जी तो बहुत ही अच्छी बनी थी, मुझे भी नहीं आती ऐसी बनानी."

माया ने देखा, तनु का चेहरा उतर गया था. नयानया विवाह था. माया सोचने लगी, एक पत्नी को पति से मिली तारीफ़ से जितनी ख़ुशी मिलती है, उतनी किसी और की तारीफ़ से नहीं, वह भी जब नयानया विवाह हो. दुनिया नएनए खुमार से भरी ही तो लगती है. आजकल के कपल्स के बीच रोमांस, मानमनुहार के लिए समय ही नहीं. माया हैरान होती हैं अपने बेटेबहू का लाइफस्टाइल देख कर. दोनों के पास सबकुछ है. बस, समय नहीं है. उस पर भी अब अनिल अपनी नवविवाहिता के हाथ की बनी सब्जी की तारीफ़ करने के बजाय कमी निकाल रहा था. हां, नमक ज्यादा था, हो जाता है कभी कभी. पर सुबह के गए अब मिले हैं, तो इस बात को क्या तूल देना. ख़ैर, उन की लाइफ है, बीच में ज्यादा बोलना ठीक नहीं.

अनिल उस के बाद भी चिढ़ा ही रहा. माया जानती हैं, उन के फूडी बेटे को खानेपीने में कोई कमी बरदाश्त नहीं. कितनी बार उन से भी उस की बहस होती ही रही है. इकलौता बेटा है,खूब नखरे दिखाता है. पर अब तनु क्यों सहे इतने नखरे. मैं मां हूं, मैं ने सह लिए. ये बेचारी क्यों सहे. सुबह जातेजाते कितनी हैल्प करवाती है. वे मना करती रह जाती हैं पर तनु जितना हो सकता है, उतने काम करवा कर जाती है. तनु कहती है, "मां, मुंबई में सफर करने के बाद आ कर तो हिम्मत नहीं होती कुछ करने की, कम से कम सुबह तो कुछ करने दें."

माया मेड के साथ सब काम मैनेज कर ही लेती हैं पर तनु सुबह कुछ न कुछ कर ही जाती है. तीनतीन टिफ़िन होते हैं, काफी काम होता है. मेड सब के जाने के बाद ही आती है. माया एक पढ़ीलिखी हाउसवाइफ हैं. खाली समय वे टीवी में नहीं, किताबों के साथ बिताती हैं. उन की खूब पढ़ने की आदत है. खुली सोच वाली शांतिपसंद महिला हैं वे. तनु को खूब स्नेह देती हैं, वह भी उन्हें खूब मान देती है. माया के पति और बेटा कुछ आत्मकेंद्रित से हैं, तनु सब को समझने की कोशिश में लगी हुई है. वे जानती हैं कि तनु भी मुंबई की ही लड़की है, उस का मायका भी मुंबई में ही है. पैरेंट्स और एक छोटी बहन सब कामकाजी हैं.

लौकडाउन के बाद औफिस शुरू हुए ही थे. अभी तीनों को हफ्ते में 3 दिन ही जाना पड़ रहा था. बाकी दिन सब वर्क फ्रौम होम करते थे. ऐसे में सब को खूब परेशानी हो रही थी. टू बैडरूम फ्लैट था. लिविंगरूम में रखे डाइनिंग टेबल पर सुधीर काम करते थे. अनिल के रूम में एक टेबल थी जिस पर वह बैठ जाता था. तनु कभी इधर कभी उधर अपना लैपटौप उठाए घूमती रहती. एक दिन झिझकती हुई बोली, "मां, आप के रूम में बैठ कर एक कौल कर लूं, अर्जेंट है, बौस से बात करनी है ?"

"और क्या, आराम से बैठो, तब तक मैं किचन में कुछ कर लेती हूं."

"थैंक्स मां, अनिल तो एक मिनट के लिए भी अपनी टेबल नहीं देता."

माया को दुख हुआ, बोलीं, "जब मन हो, मेरे रूम में बैठ कर काम कर लेना."

तनु की मीटिंग लंबी चली. बैड पर गलत पोस्चर में बैठेबैठे उस का कंधा अकड़ गया. माया ने जब सब को खाने के लिए आवाज दी, सब ने थोड़ी देर के लिए लैपटौप बंद किया. माया ने कहा, "तनु को बहुत परेशानी हुई बैड पर बैठेबैठे, उसे भी एक टेबल चाहिए. तनु, या तो तुम यहीं पापा के साथ बैठ जाया करो या अनिल अपनी टेबल इसे मीटिंग के लिए तो दे दिया कर."

सुधीर ने कहा, "मुझे कोई दिक्कत नहीं है, बेटा. पर मुझे बहुत फ़ोन करने होते हैं, तुम डिस्टर्ब तो नहीं होगी ?"

"मुझे अपनी डैस्क पर ही आराम मिलता है," अनिल ने कहा, "दो दिन की ही तो बात होती है, कहीं भी एडजस्ट कर लो."

तनु चुप ही रही. माया बहुत कुछ सोचने लगी थीं. कुछ समय और बीता. एक दिन तनु औफिस से थोड़ा पहले आ गई थी. माया फोन पर अपनी फ्रैंड से एक कोने में ही बैठ कर बात कर रही थीं. तनु जो मूवी देख रही थी,वह ख़त्म होने ही वाली थी. अनिल जैसे ही औफिस से आया, उस ने कहा, "अरे तनु, इसे बंद कर दो, बेकार मूवी है और मेरे लिए बढ़िया सी चाय बनाओ." जुर अनिल ने टीवी बंद कर दिया.

तनु का अपमानित चेहरा देख माया फोन पर फिर बात न कर सकीं, उन्होंने जल्दी ही फोन रख दिया पर चुप रहीं. बेटे पर बहुत गुस्सा आया पर रोजरोज उसे बहू के सामने टोकना शायद उसे अच्छा न लगता.

माया तनु को देखती, हैरान होती कि यह क्यों हर बात में एडजस्ट किए जा रही है जैसे अपनी किसी चीज में कोई इच्छा हो ही न. वही पहनती जो अनिल को पसंद था, वही बनाती जो घर में सब को पसंद हो, कोई भी बात हो, न अपनी राय देती,न पसंद बताती. माया सोचती यह तो अभी नवविवाहिता ही है, कहां हैं इस के सारे शौक, एक मूवी भी अपनी पसंद की नहीं देखती. अनिल जब चाहे,रिमोट ले कर चैनल बदल दे. वह कुछ भी न कहती. बस, मुसकरा कर रह जाती.

एक दिन सब घर से ही काम कर रहे थे. लंच के बाद माया थोड़ी देर आराम करती थीं. उस दिन लेट कर उठीं तो देखा, सुधीर डाइनिंग टेबल पर हमेशा की तरह फोन पर हैं. अनिल के रूम से जोरजोर से हंसने की आवाज़ आई, तो माया ने झांका, अनिल किसी दोस्त से गपें मार रहा था. किचन में जा कर देखा, तनु फर्श पर लैपटौप लिए बैठी थी और किसी मीटिंग में होने का इशारा माया को दिया.

माया चुपचाप अपने रूम में आ कर बैठ गईं. पौन घंटे बाद तनु उन के कमरे में आई और लैपटौप एक तरफ रख, उन के बैड पर पड़ गई. उस के मुंह से एक आह सी निकल गई, इतना ही कहा, "ओह्ह, मां, फर्श पर तो कमर अकड़ गई."

माया आज और चुप न रह पाईं, बोलीं, "एक बात करनी है तुम से."

"हां मां, कहो न."

"तुम किचन में नीचे बैठ कर काम क्यों कर रही थीं ?"

"अनिल ने कहा, वह अपने रूम में ही रहेगा, उसे वहीं आराम मिलता है."

"तुम ने उसे बताया नहीं कि तुम्हारी जरूरी मीटिंग है."

"बताया तो था, पर वह बोला, मैं कहीं और बैठ कर अपना काम कर लूं. आप सो रही थीं, तो मैं किचन में ही बैठ गई."

"सुनो तनु, अपनी बात क्यों नहीं कहतीं तुम ?"

"मां, मैं चाहती हूं कि मैं एक अच्छी पत्नी और बहू बन कर रहूं. मेरे मम्मीपापा में जब किसी बात पर झगड़ा होता था तो मुझे अच्छा नहीं लगता था. मैं सोचा करती थी कि मैं अपनी शादी के बाद घर में कोई झगड़ा कभी होने ही नहीं दूंगी."

माया मुसकराईं, "तुम्हारे मम्मीपापा झगड़े के बाद नौर्मल हो जाते थे न ?"

"हां मां, पर मुझे उन के झगड़े अच्छे नहीं लगते थे."

"देखो तनु, तुम आदर्श पत्नी या बहू बनने की कोशिश भी न करना, उस से अच्छा होगा कि एक आम बहू या पत्नी बन कर अपने मन की भी कभी करो. सिर्फ हमारे मन से नहीं, कभी अपने मन से भी चलो और अगर कभी किसी से झगड़ा हो भी जाए तो डरना कैसा, हम साथसाथ रहते हैं, कितनी देर तक झगड़ा चलेगा. थोड़ा मनमुटाव कभी हो भी जाए तो रिश्ते टूट थोड़े ही जाते हैं. मैं तो कहती हूं कि उस के बाद का प्यार बड़ा प्यारा होता है.

"कोई बहस न हो, कोई झगड़ा न हो, इसी कोशिश में लगी रहोगी, तो खुद के लिए कैसे जियोगी, कितने दिन ऐसे खुश रह लोगी, मन ही मन कुंठित होती रहोगी. फिर जो नुकसान होगा उसे कौन भरेगा. कल बच्चे हो जाएंगे, फिर तो उन की ही इच्छाएं सर्वोपरि हो जाएंगी. अपने लिए कब जियोगी ? फिर आदर्श मां बनने के चक्कर में पड़ जाओगी.

"अपनी बात कहना, फिर उसे पूरा करना सीखो. मैं ने भी यह गलती की है, हमेशा वही किया जो सास, ससुर, ननद, देवर, सुधीर, अनिल को पसंद रहा. जो हमें खुद को अच्छा लगता था, वह किया ही नहीं. अब इतनी उम्र बीतने पर अफ़सोस होता है कि अपने लिए तो मैं जी ही नहीं

"सो, आदर्श बनने के चक्कर में बिलकुल मत पड़ो. मैं तो कहती हूं कि मुझ पर भी गुस्सा आए, तो मुझ से भी लड़ लो. मन मार कर जीने से फ़ायदा नहीं होगा, कुछ नहीं मिलेगा. उलटे, दिनोंदिन कमजोर होती जाओगी."

तकिये के सहारे लेटी तनु मंत्रमुग्ध सी अपनी सासुमां का चेहरा देखे जा रही थी, सोचने लगी, ये कैसी सासुमां हैं जो मुझे इस तरह से समझा रही हैं, ये तो निराली ही हैं.

माया ने पूछा, "अब किस सोच में हो ?"

"मुझे तो लगता था आप खुश होंगी कि मैं घर में सब का ध्यान रखती हूं, जो कुछ कहा जाता है, मैं वही करती हूं. मैं सच में एक आदर्श बहू और पत्नी बनना चाहती थी, मां."

"कोई जरूरत नहीं है, मुझे एक आम इंसान अच्छा लगता है जो खुद भी जीना चाहे, जिस की खुद भी इच्छाएं हों और जो उन्हें भी पूरा करना चाहे. वैसे भी, हमारा समाज पुरुषप्रधान है, एक लड़की ही क्यों आदर्श बनने के चक्कर में अपना जीवन होम करे. अनिल और सुधीर क्यों नहीं करते ऐसा कुछ कि हमारी इच्छाओं के लिए अपनी इच्छाएं कभी छोड़ दें, कभी तो कहें कि चलो, आज वह बनाओ जो तुम्हें पसंद हो. ऐसा तो कभी नहीं होता.

"कभी उस की सुनो, कभी वह तुम्हारी सुने, पर ऐसा होता नहीं है. ऐसे में दुख होता है. और मैं यह बिलकुल नहीं चाहती कि मेरी बहू कभी अपना मन मारे. आज भी मेरे मन में कितनी कड़वी यादें हैं जबजब मैं अपने मन का नहीं कर पाई. एक उम्र के बाद तुम्हें यह दुख नहीं होना चाहिए कि कभी तुम ने अपने मन का कुछ किया ही नहीं. आम इंसान की तरह ही जी लो, बहूरानी," कहतेकहते माया ने तनु के सिर पर हाथ रख दिया. तनु ने उन की हथेली चूम ली. इतने में अनिल अंदर आया, वहीं पलंग पर वह भी लेट गया, बोला, "तनु, आज मंचूरियन और फ्राइड राइस बनाओगी ?

"नहीं अनिल, आज नहीं, फिर कभी."

अनिल को जैसे एक झटका लगा, उठ कर बैठ गया, "क्या ?"

"हां, मीटिंग किचन में फर्श पर बैठ कर अटेंड की है, कमर अकड़ गई. आज शौर्टकट मारूंगी, बस, पुलाव ही बना सकती हूं, बहुत थक गई हूं. मां ने भी आज सुबह से बहुत काम कर लिया है, ठीक है न ?"

विवाह के बाद यह पहला मौका था जब तनु ने किसी बात के लिए मना किया था. अनिल कभी पत्नी का मुंह देखता, कभी मां का. फिर उस ने इतना ही कहा, "ठीक है, जैसी तुम्हारी मरजी."

अनिल का कोई फोन आ गया तो वह बाहर निकल गया. माया ने तनु का हाथ सहलाते हुए कहा, "शाबाश, यह हुई न बात."

सुधीर ने अंदर आते हुए पूछा, "किस बात की शाबाशी दी जा रही है, भाई, हमें भी बताओ."

"पर्सनल बात है सासबहू की, पापा," हंसती हुई कह कर तनु रूम से बाहर निकलने लगी, माया ने उसे देखा, तो उस ने माया को आंख मार दी. माया जोर से हंस पड़ीं. सुधीर कुछ समझे नहीं, बस, माया के मुसकराते चेहरे को देखते रह गए.

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल मलोट पंजाब

माइक्रोप्लास्टिक्स घातक सुपरबग्स के उदय को बढ़ावा दे रहे हैं

विजय गर्ग

एक नए अध्ययन से पता चलता है कि ये छोटे प्लास्टिक कण ई जैसे बैक्टीरिया को प्रोत्साहित करते हैं। कोलाई दिनों के भीतर कई एंटीबायोटिक दवाओं के प्रतिरोध को विकसित करने के लिए। माइक्रोप्लास्टिक सिर्फ बैक्टीरिया नहीं ले जाते हैं - वे सक्रिय रूप से उन्हें दवा प्रतिरोध विकसित करने में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि एक्सपोजर के दिनों के भीतर, ई। कोलाई एंटीबायोटिक दबाव के अभाव में भी कई एंटीबायोटिक दवाओं के लिए प्रतिरोधी बन गया। एक नए अध्ययन के अनुसार, माइक्रोप्लास्टिक सिर्फ प्रदूषकों से अधिक हैं - वे जटिल सामग्री हैं जो एंटीबायोटिक दवाओं के अभाव में भी रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) चला सकते हैं।

जैसे-जैसे विश्व स्तर पर प्लास्टिक का उपयोग बढ़ा है, माइक्रोप्लास्टिक संदूषण व्यापक हो गया है, अपशिष्ट जल एक प्रमुख जलाशय के रूप में कार्य कर रहा है। वहीं, रोगाणुरोधी प्रतिरोध बढ़ रहा है, जिसमें पर्यावरणीय कारक एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। माइक्रोप्लास्टिक्स को उनकी सतहों पर बैक्टीरिया समुदायों की मेजबानी करने के लिए जाना जाता है, एक घटना जिसे "प्लास्टिस्फीयर" कहा जाता है

प्लास्टिक और बैक्टीरिया के साथ प्रयोग इस अध्ययन में, शोधकर्ताओं ने जांच की कि कैसे माइक्रोप्लास्टिक नैदानिक रूप से प्रासंगिक स्तरों पर एएमआर में योगदान करते हैं। उन्होंने विभिन्न प्लास्टिक प्रकारों का परीक्षण किया - पॉलीस्टीरिन (आमतौर पर मूंगफली की पैकिंग में पाया जाता है), पॉलीथीन (प्लास्टिक ज़िप-टॉप बैग में उपयोग किया जाता है), और पॉलीप्रोपाइलीन (बक्से, बोतलों और जार में पाया जाता है)। हर दो दिनों में, वैज्ञानिकों ने न्यूनतम अवरोधक सांद्रता (MICs) को मापा - बैक्टीरिया के विकास को रोकने के लिए आवश्यक एंटीबायोटिक खुराक - चार व्यापक रूप से उपयोग किए जाने वाले एंटीबायोटिक दवाओं में। इसने उन्हें यह ट्रैक करने की अनुमति दी कि क्या बैक्टीरिया समय के साथ प्रतिरोध विकसित कर रहे थे।

माइक्रोप्लास्टिक्स दवा प्रतिरोध को तेज करता है शोधकर्ताओं ने पाया कि माइक्रोप्लास्टिक, परीक्षण किए गए आकार और एकाग्रता की परवाह किए बिना, ई में 4 परीक्षण किए गए एंटीबायोटिक दवाओं (एम्पीसिलीन, सिप्रोफ्लोक्सासिन, डॉक्सीसाइक्लिन और स्ट्रेप्टोमाइसिन) में मल्टीड्रग प्रतिरोध की सुविधा प्रदान करता है। एक्सपोजर के 5-10 दिनों के भीतर कोलाई। शोधकर्ताओं ने प्रदर्शित किया कि अकेले माइक्रोप्लास्टिक एएमआर विकास को बढ़ाने की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। सकल ने कहा, ₹इसका मतलब है कि माइक्रोप्लास्टिक कई तरह के उच्च प्रभाव वाले संक्रमणों के लिए एंटीबायोटिक दवाओं के अप्रभावी होने के जोखिम को काफी हद तक बढ़ाता है.₹ पूर्व शोध मुख्य रूप से माइक्रोप्लास्टिक जैसे पर्यावरणीय प्रदूषकों की भूमिका पर विचार किए बिना एंटीबायोटिक-संचालित प्रतिरोध पर केंद्रित था। माइक्रोप्लास्टिक के साथ अध्ययन ज्यादातर एंटीबायोटिक प्रतिरोधी जीन (एआरजी) और बायोफिल्म्स जैसे प्रतिरोध कारकों पर देखा जाता है, न कि विभिन्न एंटीबायोटिक दवाओं के लिए उनकी न्यूनतम अवरोधक एकाग्रता के माध्यम से एएमआर की दर या परिमाण।

प्रतिरोध कि लिंग शोधकर्ताओं ने पाया कि बैक्टीरिया से एंटीबायोटिक दवाओं और माइक्रोप्लास्टिक को हटाने के बाद भी माइक्रोप्लास्टिक और एंटीबायोटिक दवाओं से प्रेरित प्रतिरोध अक्सर महत्वपूर्ण, औसत दर्जे का और स्थिर होता था। अंततः, इसका मतलब यह है कि माइक्रोप्लास्टिक एक्सपोज़र जीनोटाइपिक या फेनोटाइपिक लक्षणों के लिए चयन कर सकता है जो एंटीबायोटिक दबाव से स्वतंत्र रोगाणुरोधी प्रतिरोध को बनाए रखते हैं। प्रतिरोध विकास के लिए हॉटस्पॉट के रूप में माइक्रोप्लास्टिक ₹हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि माइक्रोप्लास्टिक सक्रिय रूप से ई में रोगाणुरोधी प्रतिरोध विकास को चलाते हैं। कोलाई, यहां तक कि एंटीबायोटिक दवाओं के अभाव में, एंटीबायोटिक और माइक्रोप्लास्टिक जोखिम से परे प्रतिरोध के साथ, ₹सकल ने कहा। ₹यह इस धारणा को चुनौती देता है कि माइक्रोप्लास्टिक केवल प्रतिरोधी बैक्टीरिया के निष्क्रिय वाहक हैं और रोगाणुरोधी प्रतिरोध विकास के लिए सक्रिय हॉटस्पॉट के रूप में उनकी भूमिका पर प्रकाश डालते हैं

यह देखते हुए कि पॉलीस्टीरिन माइक्रोप्लास्टिक ने प्रतिरोध के उच्चतम स्तर की सुविधा प्रदान की, और यह कि बायोफिल्म गठन-बैक्टीरियल अस्तित्व और दवा प्रतिरोध को बढ़ाने के लिए जाना जाता है-एक महत्वपूर्ण तंत्र था, परिणाम रोगाणुरोधी प्रतिरोध शमन प्रयासों में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण को संबोधित करने की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं ।

सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार गली कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

'भारत 2028 तक बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था', मॉर्गेन स्टेनले की रिपोर्ट में इकोनॉमी को लेकर कई दावे

परिवहन विशेष न्यूज

मार्गन स्टेनली ने अनुमान जताया है कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारतीय अर्थव्यवस्था 2023 में 3 .5 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2026 में 4 .7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। 2028 में भारत जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरे स्थान पर होगा। भारत के विकास के मजबूत कारणों में जनसंख्या वृद्धि बेहतर बुनियादी ढांचा और उद्यमिता शामिल हैं।

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा फर्म मार्गन स्टेनली ने कहा है कि भारत 2028 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसकी वजह यह है कि उस समय भारत दुनिया का सबसे अधिक मांग वाला उपभोक्ता बाजार बन जाएगा और वैश्विक उत्पादन में उसकी बड़ी हिस्सेदारी होगी।

2023 में 3.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्थ्ज्ञा से भारतीय आर्थिकी के 2026 में 4.7 ट्रिलियन डालर तक बढ़ने का अनुमान है। इससे अमेरिका, चीन और जर्मनी के बाद भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बन जाएगा। 2028 में भारत जर्मनी से आगे निकल जाएगा, क्योंकि इसकी अर्थव्यवस्था 5.7 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ जाएगी।

भारत का वैश्विक अर्थव्यवस्था में क्या है हैसियत?

मार्गन स्टेनली के अनुसार, भारत 1990 में दुनिया की 12वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी, जो 2000 में 13वें स्थान पर आ गई और 2020 में 9वें स्थान पर और 2023 में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। 2029 में वैश्विक जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी 3.5 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत होने का अनुमान है। यह भारत के विकास के तीन परिदृश्यों का अनुमान लगाती है। अगर मंदी आती है तो अर्थव्यवस्था 2025 में 3.65 ट्रिलियन डॉलर से बढ़कर 2035 तक 6.6 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी।

अगर यही क्रम चलता है तो यह बढ़कर 8.8 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगी और अगर अर्थव्यवस्था में तेजी आती है तो इसका आकार बढ़कर 10.3 ट्रिलियन डॉलर हो जाएगा। इसी तरह, मंदी परिदृश्य में प्रति व्यक्ति जीडीपी 2025 में 2,514 डॉलर से बढ़कर 2035 में 4,247 डॉलर, मौजूदा परिस्थितियों में 5,683 डॉलर और तेजी के परिदृश्य के तहत 6,706 अमेरिकी डॉलर हो जाएगी।

भारत वैश्विक उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है: रिपोर्ट

रिपोर्ट में कहा गया है कि आने वाले दशकों में भारत वैश्विक उत्पादन में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है, जिसके पीछे मजबूत आधारभूत कारक हैं, जिसमें मजबूत जनसंख्या वृद्धि, एक कार्यशील लोकतंत्र, मैक्रो स्थिरता से प्रभावित नीति, बेहतर बुनियादी ढांचा, एक बढ़ता हुआ उद्यमी वर्ग और बेहतर होता सामाजिक ढांचा शामिल है।

पीएम इंटर्नशिप स्कीम की लास्ट डेट बढ़ी, अब 31 मार्च तक कर सकते हैं अप्लाई; जानें प्रक्रिया

पीएम इंटर्नशिप स्कीम सरकार ने युवाओं को बड़ा तोहफा दिया है। अब आप 31 मार्च तक पीएम इंटर्नशिप स्कीम में अप्लाई कर सकते हैं। पहले इस योजना में अप्लाई करने की अंतिम तिथि 12 मार्च 2025 रखी गई थी. जिसे अब बढ़ाकर 31 मार्च कर दिया गया है। इस स्कीम का उद्देश्य युवाओं को रोजगार प्रदान करना है। इसके साथ ही उनके करियर को नई दिशाा देना भी है।

नई दिल्ली। अगर आपने पीएम इंटर्नशिप स्कीम में अभी तक अप्लाई नहीं किया है, तो अभी भी आपके पास अवसर है। सरकार ने इस स्कीम में अप्लाई करने की अंतिम तिथि में बदलाव किया है। पहले पीएम इंटर्नशिप स्कीम में अप्लाई करने की अंतिम तिथि 12 मार्च 2025 रखी गई थी। जिसे अब बढ़ाकर 31 मार्च 2025 कर दिया गया है।

इस स्कीम में आप घर बैठे ही आसानी से अप्लाई कर सकते हैं। इसके लिए बस आपको मोबाइल फोन और इंटरनेट सर्विस की जरूरत होगी।

PM Internship Scheme Apply Online: ऐसे करें स्कीम में अप्लाई

इस स्कीम का उद्देश्य युवाओं को रोजगार प्रदान करना है। अगर आप पीएम इंटर्नशिप स्कीम में अप्लाई करना चाहते हैं, तो आपको नीचे दिए गए स्टेप्स को ध्यानपूर्वक फॉलो करना होगा।

स्टेप 1- सबसे पहले पीएम इंटर्नशिप की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं।

स्टेप 2- इसके बाद दिए गए रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक कर, जानकारी भरें।

स्टेप 3- इसके बाद दिए गए, लॉगिन क्रेडेंशियल्स का इस्तेमाल कर, लॉगिन करें।

स्टेप 4- आवेदन फॉर्म में मांगी गई जानकारी को दर्ज कर, सभी दस्तावेज अपलोड करें।

स्टेप 5- अंत में आपको फॉर्म जमा कर, भविष्य के लिए पेज सेव करना होगा।

क्या है योग्यता?: अगर आप इस स्कीम में अप्लाई करना चाहते हैं, तो इसमें मांगी गई योग्यता को समझ लें। इस स्कीम में अप्लाई करने के लिए आवेदनकर्ता की उम्र 21 से 24 साल तक होनी चाहिए। इसके साथ ही इस स्कीम में 10वी, 12वी, ग्रेजुएट, पोस्ट ग्रेजुएट या डिप्लोमा धारक आवेदन कर सकते हैं।

पीएम किसान योजना में कैसे करें मोबाइल नंबर अपडेट? जानें कब आएगी 20 वीं किस्त

परिवहन विशेष न्यूज

पीएम किसान योजना के तहत किसानों को अपनी कई निजी जानकारी भरनी होती है। ऐसे में अगर आपका मोबाइल नंबर बदल जाए तो बड़ी दिक्कत आ सकती है। आप घर बैठे ही नए नंबर को योजना में शामिल कर सकते हैं। ये काफी आसान तरीका है इसके लिए आपको आधार कार्ड की भी जरूरत नहीं होगी।

नई दिल्ली। पीएम किसान सम्मान निधि योजना (PM kisan Samman Nidhi Yojana) का उद्देश्य किसानों को आर्थिक मदद प्रदान करना है. इस योजना के तहत किसानों को 6000 रुपये दिए जाते हैं। ये पैसे उन्हें 2000 रुपये की तीन अलग- अलग किस्त में मिलते हैं।

अगर आप इस योजना के अंतर्गत मोबाइल नंबर अपडेट करना चाहते हैं, तो ये घर बैठे आसानी से हो जाएगा। ध्यान रखें कि इसके लिए आपका केवाईसी पूरा होना जरूरी है। मोबाइल नंबर अपडेट ना होने पर आपको किस्त या पैसा मिलने में भी दिक्कत आ सकती है।

इसलिए अपना मोबाइल नंबर जल्द से जल्द अपडेट कर लें।

How to Update Mobile Number: ऐसे करें नंबर अपडेट

पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत नंबर अपडेट आसानी से हो जाता है। इसके लिए आपको आधार कार्ड की भी जरूरत नहीं होगी। अगर आप नंबर अपडेट करना चाहते हैं. तो नीचे बताए गए स्टेप्स को ध्यानपूर्वक फॉलो करें।

स्टेप 1- सबसे पहले आपको पीएम किसान योजना की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाना होगा।

स्टेप 2- इसके बाद दिए गए फार्मर्स कॉर्नर के ऑप्शन पर क्लिक करें।

स्टेप 3- फिर आपको अपडेट मोबाइल नंबर का ऑप्शन दिख जाएगा।

स्टेप 4- यहां आप रजिस्ट्रेशन नंबर या आधार नंबर में से कोई एक विकल्प चुन सकते हैं।

स्टेप 5- अगर आपके पास आधार नंबर नहीं है, तो रजिस्ट्रेशन नंबर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्टेप 6- जिसके बाद कैप्चा दर्ज कर, एडिट ऑप्शन पर नया मोबाइल नंबर डालें।

PM Kisan 20th Installment: ऐसे करें 20वीं किस्त की तारीख चेक

अगर आप पीएम किसान योजना की 20वीं किस्त की तारीख चेक करना चाहते हैं, तो नीचे दिए गए स्टेप्स को फॉलों करें।

स्टेप 1- सबसे पहले पीएम किसान की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाएं।

स्टेप 2- इसके बाद होम पेज पर आपको PM Kisan Installment Date का ऑप्शन दिखेगा।

स्टेप 3- इस पर क्लिक कर, नया पेज खुलेगा, यहां आपको जानकारी दर्ज करनी होगी।

स्टेप 4- जानकारी पर आपको Submit करना होगा। जिसके बाद आपको 20वी किस्त की तारीख दिख जाएगी।

कब हुई पहली किस्त जारी?

इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक 6 साल पहले यानी साल 2019 में किसानों को पहली बार पीएम किसान योजना का फायदा मिला था। इस योजना का फायदा सबसे पहले बिहार के भागलपुर किसानों को दिया गया था। उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 9.08 करोड़ किसानों के खाते में 22 हजार करोड़ रुपये से अधिक डाले गए थे।

घर में रखा जा सकता है केवल इतना ही सोना, जानें क्या कहता है नियम

हमारे देश में सोना सिर्फ निवेश का जरिया नहीं है बल्कि इससे लोगों की भावनाएं जुड़ी हुई होती है। लोग ज्यादातर शादी या किसी त्योहार के समय ही सोना खरीदना पसंद करते हैं। क्या आप जानते हैं कि कितना सोने को फिजिकल फॉर्म में घर में रखा जा सकता है ? आइए सोने से संबंधित सभी जरूरी बातें जानते हैं।

नई दिल्ली। भारत में सोना खरीदना काफी शुभ माना जाता है। वहीं ज्यादातर लोग शादी या किसी शुभ अवसर पर ही सोना खरीदना पसंद करते है। इसके साथ ही भारतीय महिलाएं सोने के आभूषण पहनना काफी पसंद करती है। वही लोग अपने बच्चों की शादी के लिए पहले से ही सोना खरीद कर घर में रखते हैं। लेकिन आप एक लिमिट तक ही सोना फिजिकल फॉर्म में रख सकते हैं।

अगर आप इस लिमिट से ज्यादा सोना घर में रखते हैं, तो आपको इनकम टैक्स विभाग को जवाब देना होगा। इसलिए सोना खरीदने से पहले इससे जुड़े नियम चेक कर लें।

Gold limit: घर में कितना सोना रखा जा सकता है?

सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेज (CBDT) के अनुसार कुछ चीजों की खरीद पर कोई टैक्स नहीं लगता है। इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक विरासत में मिला पैसा, एक लिमिट तक सोना खरीद या स्टोर और एग्रीकल्चर में कोई टैक्स नहीं देना होता है।

इसलिए अगर आप घर में एक लिमिट तक सोना स्टोर करते हैं, तो कोई भी आपकी ऑफिशियल तलाशी नहीं ले पाएगा।

अविवाहित महिलाएं- अविवाहित महिलाएं घर में 250 ग्राम ही सोना रख सकती है।

अविवाहित पुरुष- अविवाहित पुरुष को केवल 100 ग्राम सोना रखने की अनुमति दी गई है।

विवाहित महिलाएं- विवाहित महिलाएं 500 ग्राम सोना तक ही रख सकती है।

विवाहित पुरुष- वहीं विवाहित पुरुष घर में 100 ग्राम सोना ही रख सकती है।

GST On Gold: कितना देना होगा टैक्स ?

अगर आप सोना बेचने जाते हैं, तो आपको सोने से हुई कमाई पर सरकार को टैक्स देना पड़ता है। CBDT के सर्कुलर के हिसाब से अगर आप सोना खरीद इसे 3 साल में बेचते है, तो शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन टैक्स (Short-Term Capital Gain Tax) देना होगा। इसके साथ ही अगर आप 3 साल से ज्यादा समय के बाद सोना बेचते है, तो आपको लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन टैक्स (Long-Term Capital Gain Tax) देना होगा।

Gold Rate Today: आज क्या रहा सोने का भाव?

इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक आज 14 मार्च, होली के अवसर पर सोने के दाम में बढ़त दर्ज की गई। आज 24 कैरेट सोने का दाम 600 रुपये प्रति ग्राम बढ़ा है। 14 मार्च को 24 कैरेट सोने का दाम 8876.3 रुपये प्रति ग्राम रहा। वहीं 22 कैरेट सोने का दाम 8138.3 रुपये प्रति 10 ग्राम है। 22 कैरेट सोने के दाम में आज 550 रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

मार्च में इतने दिन बंद रहेंगे बैंक, देखें कब-कब होगी छुट्टी; पूरा शेड्यूल

इस महीने यानी मार्च में बैंक कई दिनों तक बंद रहने वाले हैं। वहीं होली के कारण भी अलग-अलग राज्यों में तीन दिन की छुट्टी रखी गई है। आज 14 मार्च को होली के कारण कई राज्यों के सरकारी और प्राइवेट बैंक क्लोज है। ऐसे में अगर आपको कोई जरूरी काम करना है तो आप मोबाइल या ऑनलाइन बैंकिंग का सहारा ले सकते हैं।

नई दिल्ली। आज पूरे देश में होली का उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। होली के कारण अलग-अलग राज्यों में बैंक तीन दिन तक बंद रहने वाले हैं। वहीं इस महीने कई दिनों तक बैंक बंद रहेंगे। अगर होली के छुट्टियों के बीच आपको बैंक से जुड़ा कोई काम है, तो इसे आप मोबाइल या ऑनलाइन बैंकिंग के जरिए पूरा किया जा सकता हैं।

मार्च में इतने दिन रहेगी बैंकों में छुट्टी

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) द्वारा जारी की गई लिस्ट के मुताबिक इस महीने देश के तमाम बैंक 14 दिनों तक बंद रहने वाले हैं। इन 14 दिनों में रविवार और शनिवार की छुट्टियों को शामिल किया गया है। नीचे दिए गए लिस्ट से आप बैंकों में होने वाली छुट्टियों के बारे में आसानी से समझ सकते हैं।

16 मार्च- रविवार के कारण इस दिन सभी राज्यों के बैंक बंद रहेंगे।

22 मार्च- चौथा शनिवार की वजह से इस दिन भी सभी बैंक क्लोज रहेंगे।

23 मार्च- रविवार के कारण सभी बैंक बंद रहने वाले हैं।

27 मार्च- इस दिन जम्मू-कश्मीर में शब-ए-कद्र के कारण बैंकों में छुट्टी रहेगी।

28 मार्च- इस दिन जम्मू कश्मीर में जुम्मा-तुल-विदा मनाया जा रहा है। इसलिए

यहां के सभी प्राइवेट और सरकारी बैंक क्लोज रहने वाले हैं।

30 मार्च- इस दिन रविवार के कारण सभी बैंक क्लोज रहेंगे।

31 मार्च- ईद-उल फितर के कारण लगभग सभी राज्यों के बैंक बंद रहने वाले हैं।

हालांकि हिमाचल प्रदेश के सभी प्राइवेट और सरकारी बैंक खुले रहेंगे।

इसके अलावा होली के दिन भी कल 13 मार्च को कई राज्यों के बैंक बंद रहें। आरबीआई की लिस्ट के मुताबिक 13, 14 और 15 मार्च को होली के कारण अलग-अलग राज्यों में बैंक बंद रहने वाले हैं।

साइबरशाला : सोशल मीडिया का मोह - ऑर्गेनिक बनाम इनऑर्गेनिक ग्रोथ

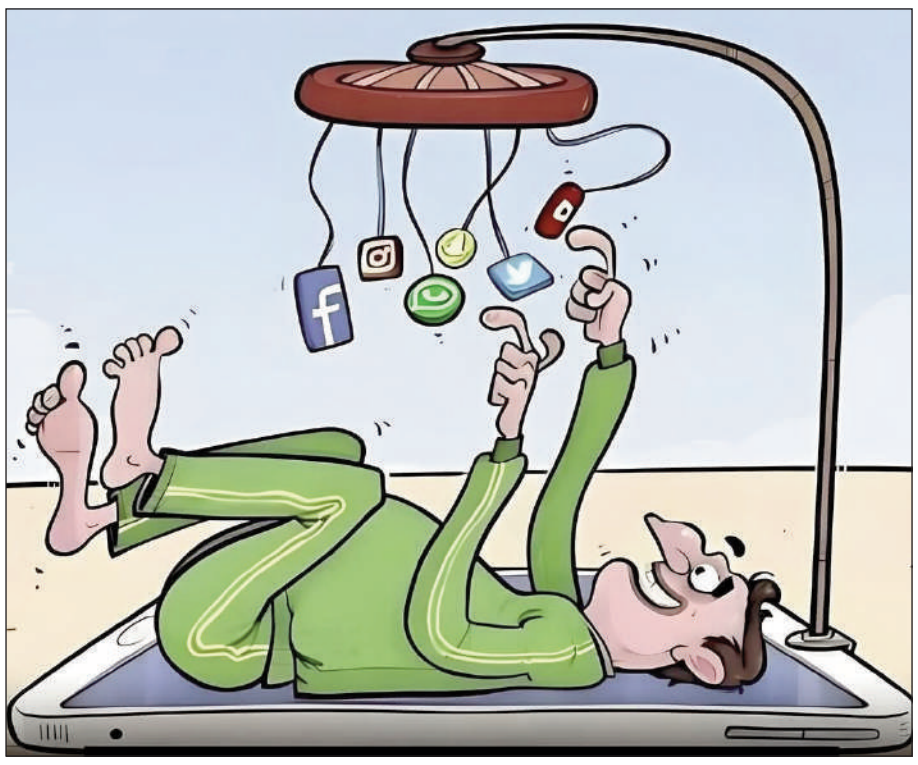

CyberShala
Engage Educate Empower

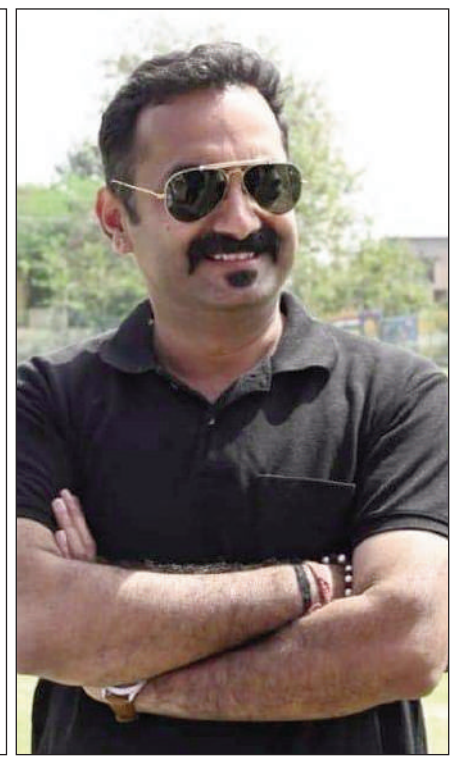

डॉ. अंकुर शरण

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया सिर्फ एक प्लेटफॉर्म नहीं, बल्कि लोगों की पहचान और ब्रांड बिल्डिंग का साधन बन चुका है। हर कोई अपने पोस्ट को अधिक से अधिक लाइक्स और शेयर करवाना चाहता है, लेकिन क्या हमने कभी सोचा है कि वास्तविकता क्या है?

सोशल मीडिया पर एक अजीब सा विरोधाभास देखने को मिलता है—हर कोई पसंद किया जाना चाहता है, लेकिन बहुत कम लोग दूसरों को पसंद करते हैं। विशेष रूप से जब बात किसी सामाजिक सरोकार की होती है, तो लोगों की भागीदारी और प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत कम हो जाती है। यही कारण है कि ज्यादातर लोग ऑर्गेनिक ग्रोथ के बजाय इनऑर्गेनिक ग्रोथ का सहारा लेने लगते हैं।

ऑर्गेनिक बनाम इनऑर्गेनिक ग्रोथ

ऑर्गेनिक ग्रोथ का अर्थ है कि आपकी पोस्ट, वीडियो या कंटेंट अपने वास्तविक मूल्य और गुणवत्ता के कारण लोगों तक पहुंचे और वे इसे पसंद करें। यह प्रक्रिया धीमी होती है लेकिन टिकाऊ होती है। दूसरी ओर, इनऑर्गेनिक ग्रोथ का मतलब है कि किसी सोशल मीडिया मार्केटिंग एजेंसी, बूस्टिंग टूल्स या इंफ्लुएंसर्स की मदद से अपने पोस्ट को बढ़ावा देना। यह तेज़ परिणाम देता है लेकिन इसका प्रभाव क्षणिक होता है।

क्यों जरूरी हो गया है इनऑर्गेनिक ग्रोथ?

एंगेजमेंट की कमी: लोग दूसरों की पोस्ट पर कम प्रतिक्रिया देते हैं, जिससे ऑर्गेनिक रीच सीमित हो जाती है।

एल्गोरिदम का प्रभाव: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म अब उन पोस्ट को प्राथमिकता देते हैं जो पहले से ही ज्यादा एंगेजमेंट प्राप्त कर रही हैं।

ब्रांड्स और कंटेंट क्रिएटर्स की प्रतिस्पर्धा: हर कोई डिजिटल स्पेस में अपनी जगह बनाना चाहता है, जिससे अधिक निवेश की जरूरत पड़ती है।

समाज के लिए सोचें, सिर्फ लाइक्स के लिए नहीं

सोशल मीडिया का उद्देश्य सिर्फ व्यक्तिगत ब्रांडिंग नहीं है, बल्कि समाज को जागरूक करना भी है। यदि हम सच में बदलाव लाना चाहते हैं, तो हमें सिर्फ लाइक्स और शेयर की चिंता छोड़कर वास्तविक भागीदारी (engagement) पर ध्यान देना होगा।

यदि हम किसी सामाजिक विषय पर पोस्ट करते हैं—चाहे वह पर्यावरण, सड़क सुरक्षा, या सामुदायिक विकास से जुड़ा हो—तो हमें खुद भी इसमें रुचि लेनी चाहिए और दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए कि वे अपनी प्रतिक्रिया दें, न कि केवल लाइक्स और फॉलोअर्स बढ़ाने पर ध्यान दें।

कैसे बनाएं एक सशक्त डिजिटल पहचान?

सार्थक कंटेंट साझा करें: ऐसा कंटेंट शेयर करें जो न केवल एंटरटेनमेंट बल्कि एजुकेशन और अवेयरनेस भी बढ़ाए।

लाइक्स से ज्यादा बातचीत पर ध्यान दें: लोगों से चर्चा करें, उनके विचारों को महत्व दें और सोशल मीडिया को संवाद का मंच बनाएं।

नैचुरल एंगेजमेंट को बढ़ावा दें: अपने नेटवर्क में सहयोग बढ़ाएं, बिना किसी पेड प्रमोशन के भी लोगों तक पहुंचने की कोशिश करें।

सोशल मीडिया एक ताकतवर माध्यम है, लेकिन इसे केवल दिखावे तक सीमित नहीं करना चाहिए। यदि हर व्यक्ति दूसरों की पोस्ट को भी उतनी ही गंभीरता से ले, जितनी अपनी पोस्ट को देता है, तो डिजिटल दुनिया अधिक सकारात्मक और प्रभावी बन सकती है।

याद रखें, सोशल मीडिया पर आपकी पहचान आपके विचारों और कार्यों से बनती है, न कि सिर्फ फॉलोअर्स की संख्या से। इसलिए, इनऑर्गेनिक ग्रोथ की बजाय एक ऑर्गेनिक और प्रभावशाली डिजिटल पहचान बनाने पर ध्यान दें।

#Cybershala की ओर से संदेश:

सोशल मीडिया पर इनऑर्गेनिक ग्रोथ की होड़ युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल रही है। जब लाइक्स, फॉलोअर्स और वायरल होने की चाहत कृत्रिम तरीकों से पूरी की जाती है, तो यह एक अनचाहा मानसिक दबाव बनाता है। इसका सीधा असर युवाओं के धैर्य और भावनात्मक संतुलन पर पड़ता है, जिससे वे जल्दी गुस्सा करने लगते हैं और मानसिक तनाव में आ जाते हैं।

ऐसी स्थिति में कई बार वे साइबर क्राइम, ऑनलाइन फ्रॉड या साइबर बुलिंग जैसी समस्याओं के शिकार हो जाते हैं। अत्यधिक सोशल मीडिया एक्सपोज़र और तुलना की भावना से आत्म-सम्मान भी प्रभावित होता है, जिससे वे गलत निर्णय ले सकते हैं।

Cybershala सभी युवाओं से अपील करता है कि डिजिटल जागरूकता बढ़ाएं, ऑर्गेनिक ग्रोथ को प्राथमिकता दें और मानसिक शांति को बनाए रखें। सोशल मीडिया का उपयोग सकारात्मक और सुरक्षित तरीके से करें, क्योंकि आपकी असली पहचान लाइक्स या फॉलोअर्स से नहीं, बल्कि आपके विचारों और कार्यों से बनती है।

होली और नमाज़ दोनों ही हमारे देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का हिस्सा हैं।

होली और जुमे की नमाज़ को लेकर कुछ फितूर खोरों द्वारा तनाव का वातावरण बनाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन आम जनता इस तरह की बातों से दूर है। यह एक राजनीतिक चाल है जिसका उद्देश्य समाज में विभाजन पैदा करना और अपने राजनीतिक हितों को पूरा करना है। लेकिन हमें इस तरह की चालों से सावधान रहना चाहिए और समाज में एकता और सौहार्द को बढ़ावा देना चाहिए।

हमें यह समझना चाहिए कि होली और जुमे की नमाज़ दोनों ही हमारे देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का हिस्सा हैं। हमें इन त्योहारों को एक दूसरे के ख़िलाफ़ नहीं खड़ा करना चाहिए, बल्कि इन्हें एक दूसरे के साथ जोड़ना चाहिए और समाज में एकता और सौहार्द को बढ़ावा देना चाहिए।

आम जनता को इस तरह की राजनीतिक चालों से सावधान रहना चाहिए। हमें अपने देश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को बचाना चाहिए और समाज में एकता और सौहार्द को भाई चारे को मज़बूत करना चाहिए।

देश में बढ़ते तनाव और विभाजनकारी माहौल को देश के हित में नहीं माना जा सकता है। यह माहौल न केवल समाज की एकता और सौहार्द को कमजोर करता है, बल्कि देश के विकास और प्रगति को भी प्रभावित करता है।

हमें यह समझना चाहिए कि हमारा देश की विविधता एकता की प्रतीक है, और हमें इस विविधता को बनाए रखने और मजबूत करने का प्रयास करना चाहिए। हमें अपने मतभेदों को भूलकर एक दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और देश के विकास के लिए एक साथ प्रयास करना चाहिए।

इसके लिए हमें अपने नेताओं और सरकार से भी अपेक्षा करनी चाहिए कि वे देश के हित में निर्णय लें और देश को एकता और सौहार्द की ओर ले जाएं। हमें अपने समाज में भी एक दूसरे के प्रति सहानुभूति और समझदारी का व्यवहार करना चाहिए और देश के विकास में योगदान देना चाहिए।

डॉ. मुश्ताक़ अहमद
शाह सहज़
हरदा मध्य प्रदेश

देश में धूमधाम से मनी होली, शांति से जुमे की नमाज

देश भर में आज होली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। लोगों ने होली के खास मौके पर एक दूसरे को रंग लगाया। वहीं आज इस्लामी महीने रमजान के दूसरे शुक्रवार की नमाज भी पढ़ी गई। देश के सभी राज्यों में खास मौके पर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम देखने को मिले। होली के खास मौके पर राजनीतिक नेताओं ने भी पार्टी लाइन से हटकर लोगों को शुभकामनाएं दीं।

नई दिल्ली। देश भर में शुक्रवार धूमधाम से होली (Holi 2025) मनाई गई। सुबह से ही लोगों ने एक दूसरे को रंग और गुलाल लगाए। इसके साथ ही एक-दूसरे को बधाई और मिठाइयां देकर इस उत्सव का आनंद लिया। होली के मौके पर घरों में पारंपरिक व्यंजनों का लुत्फ उठाया गया। वहीं, होली के दिन ही इस्लामी महीने रमजान के दूसरे शुक्रवार की नमाज भी पढ़ी गई। इसको देखते हुए देश के कई राज्यों में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम देखने को मिला। इस दौरान कई शहरों में पुलिस ने गश्त और पिकेटिंग बढ़ा दी।

दिल्ली में सुरक्षा के रहे व्यापक इंतजाम : राजधानी दिल्ली में होली को लेकर प्रशासन ने व्यापक व्यवस्थाएं की थी। दिल्ली में 25,000 से अधिक सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया गया था। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन से करीब 300 संवेदनशील इलाकों पर कड़ी निगरानी रखी।

इसके साथ ही ट्रैफिक और शहर के पुलिस कर्मियों ने संयुक्त पिकेट स्थापित किए और शराब पीकर गाड़ी चलाने और यातायात उल्लंघन की जांच के लिए प्रमुख चौराहों पर विशेष टीमें तैनात की गईं।

संभल में ड्रोन से रखी गई निगरानी : उधर, उत्तर प्रदेश के संभल में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम रहे। संभल में 24 नवंबर को मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के बाद दंगे भड़कने के बाद से तनाव है। इस कारण यहां पर प्रशासन ने अधिक सतर्कता बरती। कड़ी सुरक्षा के बीच उत्सव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। अधिकारियों ने बताया कि होली के अवसर पर संभल शहर में पारंपरिक 'चौपाई का जुलूस' भी निकाला गया। मस्जिद में दोपहर 2:30 बजे जुमे की नमाज अदा की गई। पुलिस और जिला प्रशासन ने तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की थी। रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) की बटालियनों ने शहर में फ्लैग मार्च किया।

पीएम मोदी ने दी बधाई : बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को होली की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह त्योहार नागरिकों के बीच एकता के रंग को और गहरा करेगा। पीएम मोदी ने होली के त्योहार लेकर एक्स पोस्ट में लिखा कि आप सभी को होली की ढेरों शुभकामनाएं। हर्ष और उल्लास से भरा यह पावन-पर्व हर किसी के जीवन में नई उमंग और ऊर्जा का संचार करने के साथ ही देशवासियों की एकता के रंग को और प्रगाढ़ करे, यही कामना है।

सीएम योगी ने दी होली की बधाई : राजनीतिक नेताओं ने भी पार्टी लाइन से हटकर लोगों को शुभकामनाएं दीं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को होली को एकता का संदेशवाहक बताया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि होली का त्योहार एकता का संदेशवाहक है, जो हमें प्रेम और सौहार्द के साथ सद्भाव के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

इसके बाद गोरखपुर में पारंपरिक नरसिंह शोभायात्रा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी देश और धर्म में सनातन धर्म की तरह त्योहारों की इतनी समृद्ध परंपरा नहीं है और उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत त्योहारों के माध्यम से आगे बढ़ता है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में समारोह की शुरुआत की। उन्होंने मंदिर के मेला मैदान का दौरा किया, जहां होलिका (राक्षस राजा की बहन) को जलाया गया था, 'भस्म (राख)' की पूजा की और 'आरती' की।

पश्चिम बंगाल में होली का उमंग : पश्चिम बंगाल में भी उमंग देखने को मिला। यहां पर लोगों ने डोलजात्रा धूमधाम से मनाया। इसके साथ लोगों ने यहां पर लोगों ने डोलजात्रा मनाई। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नागरिकों के बीच प्रेम के बंधन को और मजबूत करने की प्रार्थना की।

उन्होंने रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा वसंत ऋतु के आगमन का आह्वान करते हुए कहा कि बंगाल में हर व्यक्ति का जीवन शांति, सद्भाव और प्रेम के रंगों से रंगा हो, और बंगाल में लोगों के बीच प्रेम का बंधन और भी मजबूत हो - इस शुभ दिन पर मेरी यही प्रार्थना है वहीं, वरिष्ठ भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने डोलजात्रा के अवसर पर लोगों को हार्दिक प्यार, बधाई और शुभकामनाएं दीं।

असम के सीएम ने दी शुभकामनाएं : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने राज्य के लोगों को रंगीन और समृद्ध डोल उत्सव की शुभकामनाएं दीं। राज्य में होली के खास मौके पर लोगों में उत्साह देखने को मिला, जहां लोगों ने एक दूसरे को रंग लगाया और खुशियां बांटी।

हरियाणा और पंजाब में होली का रंग खिला :

हरियाणा और पंजाब में रंग-बिरंगे पानी से भरे गुब्बारे, गुलाल और मिठाइयों के साथ त्योहार मनाया गया। दोनों राज्यों और उनकी संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में पुलिस ने सुरक्षित और आनंदमय होली सुनिश्चित करने के लिए व्यापक इंतजाम किए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कथन 'बटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' को अब पत्रकारों को भी समझना होगा: पत्रकार विष्णु सिकरवार

परिवहन विशेष न्यूज

अब समय आ गया है हम सब एकजुट होकर अपनी सुरक्षा एवं सम्मान के लिए आवाज उठाएं और पत्रकार सुरक्षा कानून को तत्काल प्रभाव से लागू कराएं : पत्रकार विष्णु सिकरवार

"उन्होंने सभी पत्रकारों से अपील की कि अब हमें एक होना ही होगा, और कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है।"

आगरा, संजय साग़र सिंह। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन जिला इकाई आगरा के जिलाध्यक्ष पत्रकार विष्णु सिकरवार ने सभी सम्मानित वरिष्ठ एवं कनिष्ठ पत्रकारों से अपील की कि अब समय आ गया है कि सभी पत्रकारों को अपनी सुरक्षा और सम्मान के लिए एक होकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कथन 'बटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे' को सभी पत्रकारों को भी पूरी गंभीरता से समझना होगा।

उन्होंने आगे कहा कि यदि सभी पत्रकार एकजुट नहीं होते, तो शायद इस तरह की घटनाओं का सिलसिला और बढ़ सकता है। उन्होंने सभी पत्रकारों से अपील की कि अब हमें एक होना ही होगा, और कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। यदि सभी पत्रकार बंधु अब एक नहीं हुए तो शायद इस तरह की घटनाओं का सिलसिला बढ़ सकता है। अब सभी पत्रकार साथियों को पत्रकार हित में एक हो जाना चाहिए और कोई दूसरा रास्ता नहीं बचा है।

अंत में उन्होंने कहा, ₹अब समय आ गया है कि पत्रकार उत्पीड़न पर प्रभावी रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। अब हम सब एकजुट होकर अपनी सुरक्षा एवं सम्मान के लिए आवाज उठाएं और पत्रकार सुरक्षा कानून को तत्काल प्रभाव से लागू कराएं।

अतः सभी पत्रकार साथियों से अनुरोध है कि इस स्थिति को गंभीरता से लेते हुए ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन, आगरा द्वारा 17 मार्च को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी, आगरा के माध्यम से सौंपा जाएगा। सभी इस ज्ञापन कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपनी कलम की ताकत का अहसास कराएं। एकता ही हमारी शक्ति है!"

महिलाओं के लिए स्टालिन सरकार ने किए बड़े एलान; विपक्ष ने सदन में उठाया करप्शन का मुद्दा

तमिलनाडु सरकार ने शनिवार को वर्ष 2025-26 के लिए अपना बजट पेश किया। इस बजट में स्टालिन सरकार ने राज्य की महिलाओं के लिए खास एलान किया। अगले साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राज्य सरकार का ये कदम काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जिस समय राज्य के वित्त मंत्री सदन में बजट पेश कर रहे थे उस समय विपक्ष के विधायकों ने जमकर हंगामा किया।

नई दिल्ली। अगले साल तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने को हैं। इससे पहले राज्य की स्टालिन सरकार ने अपना बजट २०२५-२६ पेश किया। अगले साल राज्य में होने वाले चुनाव से पहले स्टालिन सरकार ने महिलाओं के लिए कई एलान किए हैं। राज्य सरकार ने अपने बजट में महिलाओं के लिए किराया-मुक्त बस यात्रा योजना सहित अपनी प्रमुख कल्याणकारी योजनाओं के लिए बड़े आवंटन किए हैं। राज्य की स्टालिन सरकार राज्य में महिलाओं के लिए पहले से कई कल्याणकारी योजना चला रही है। इस बीच विपक्ष ने सदन में हंगामा किया। बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा में मुख्य विपक्षी दल एआईएडीएमके सरकारी शराब निगम टीएएसएमएसी में कथित भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया। विपक्षी विधायकों ने सदन में जमकर विरोध किया। इसके बाद विपक्ष के विधायकों ने वॉकआउट किया। वित्त मंत्री ने सदन में क्या कहा? तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेनारासु ने विधानसभा में बजट पेश करते हुए कहा कि किराया-मुक्त बस सेवाओं का उपयोग करने वाली महिलाओं की संख्या 40 प्रतिशत से बढ़कर 65 प्रतिशत हो गई है। राज्य के वित्त मंत्री ने आगे कहा कि औसतन, राज्य परिवहन उपक्रमों द्वारा संचालित बसों में प्रतिदिन 50 लाख महिलाएं यात्रा करती हैं, जिससे अब तक कुल 641 करोड़ यात्राएं हो चुकी हैं।

रवीन्द्रालय चारबाग में लखनऊ पुस्तक मेला : आठवां दिन महिला दिवस पर हुआ स्त्री विमर्श की किताबों का विमोचन

परिवहन विशेष न्यूज

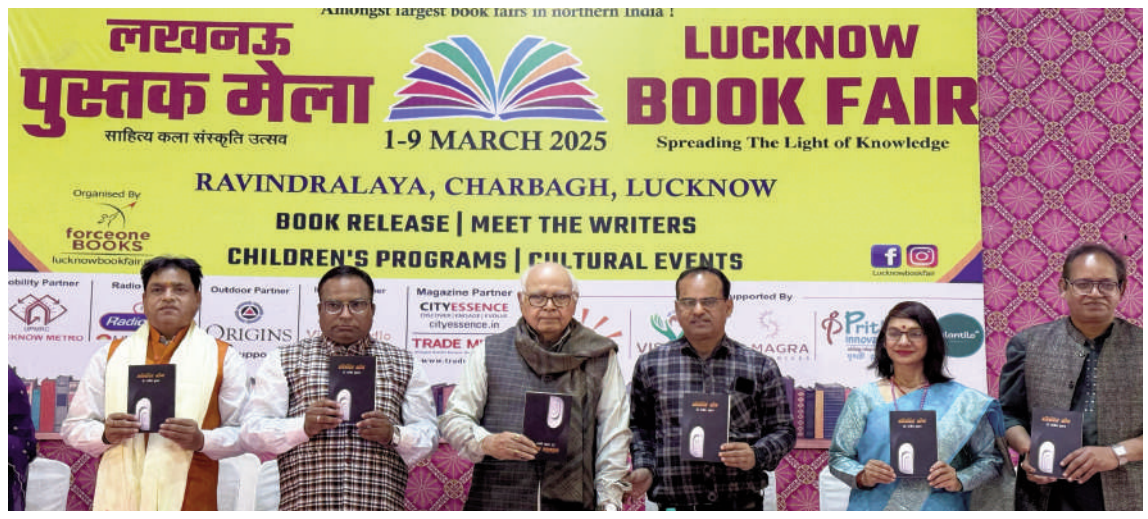

लखनऊ। महिला दिवस पर रवीन्द्रालय चारबाग में चल रहे लखनऊ पुस्तक मेला में स्त्री विमर्श की गूंज रही तो साहित्यिक आयोजनों का दौर दिनभर चला। पहली मार्च से जारी इस मेले का कल रविवार को समापन हो जायेगा। मेले में आज उमड़े पुस्तक प्रेमियों के बीच नवयुग कन्या महाविद्यालय व अन्य कालेज के छात्र छात्राओं के हुजूम भी दिखायी पड़े।

किताबों और साहित्य सागर में यहां हर विषय की किताबें हैं। इन्हीं पुस्तकों में गुजरे दौर के लखनऊ के साथ आज का शहर भी है। अगर किसी को अवध की लखनउआ कहानियां, नवाबी के जलवे, अवध की बेगमें, नक्काल और भांड़, लखनऊ की शायरी फिल्म जगत में लखनऊ की योगदान, यहां के कथक घराने, संगीतकार, इमामबाड़े, यहां के गली मोहल्ले, काकोरी क्रान्ति जैसे राजधानी से जुड़े विषयों की प्रामाणिक जानकारी चाहिए तो उसे मेले के स्टाल संख्या 53 पर पहुंचना होगा। यहां लखनऊ पुस्तकमाला की योगेश प्रवीन जैसे विशेषज्ञ लेखकों की सारगर्भित छोटी- छोटी पुस्तिकाएं हैं। इनमें 45वीं पुस्तिका 'षड़यंत्रों से घिरे लखनऊ के नवाब' हाल में शामिल हुई है।

मेले के साहित्यिक मंच पर आज कार्यक्रमों का समापन विमोचन भारत नेपाल मैत्री के क्रम में आयोजित कार्यक्रम से हुआ। मनीश शुक्ला के काव्य संग्रह निलम्बित मौन के स्वर का नेपाली भाषा में काठमाण्डू की मीना द्वारा किये अनुवाद 'प्रतिबंधित मौन' व एक अन्य किताब मै स्वयं सेवक का विमोचन पूर्व विधानसभाध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने किया। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल का युगों-युग से आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और आत्मीय संबंध रहा है। यह पुस्तक दोनों देशों के सांस्कृतिक सम्बन्धों की नई गाथा लिखती है। इस अवसर पर भारत नेपाल साहित्य महोत्सव के अध्यक्ष डा.विजय पंडित, अनुवादिका मीना, रेणु मिश्रा, श्रीधर अग्निहोत्री, लेखक मनीष शुक्ल व हरीश उपाध्याय उपस्थित थे।

सुबह नवसृजन संस्था की ओर से प्रो.उषा सिन्हा की अध्यक्षता में पुष्पा गुप्ता दोसर की काव्यकृति 'पुष्पांजलि' का विमोचन हुआ। समारोह में महेशचन्द्र द्विवेदी, डा.सुल्तान शाकिर हाशमी, आचार्य ओम् नीरव, डा.योगेश, डा.शिवमंगल सिंह 'मंगल', मंजू सक्सेना, देवेश द्विवेदी 'देवेश' शामिल हुए।

इसी क्रम में शिक्षिका डा.रश्मि श्रीवास्तव की स्त्री विमर्श पर केन्द्रित किताबों 'रेशम के रिबन' और 'बैंकबेंचर' का विमोचन डा.सुधाकर अदीब और डा.अमिता दुबे ने किया। अलका प्रमोद द्वारा प्रेषित रेशम के रिबन पुस्तक की समीक्षा प्रस्तुत हुई तो डा.अमिता दुबे ने बैंकबेंचर की समीक्षा करते हुए पुस्तक को विद्यार्थियों, शिक्षकों के लिये उपयोगी बताया। डा.सुधाकर अदीब ने पुस्तकों का सूक्ष्म विश्लेषण किया। बैंकबेंचर में विद्यार्थियों की मनःस्थिति सटीक चित्रण के साथ जीत जाने की होड़ से उपजती वेदना, संवेदनहीनता को दर्शाया गया है। शोध छात्रा सुरभि शर्मा ने भी बैंकबेंचर पर अपने विचार रखे। ज्योति किरन रतन के संचालन में अनंत बहादुर श्रीवास्तव की पुस्तकों जीव जागरण, साधना भक्ति पथ, स्तुति प्रतीति, स्मृति बोध संस्मरण का लोकार्पण भी मंच पर हुआ। शाम को महिला दिवस पर महिला राज्य और धर्म विषय पर हुये परिसंवाद के संग काव्यपाठ में तस्वीर नकवी, विमल किशोर, कमला गौतम, ऊषा राय, शांतम, आकांक्षा आजाद आदि सम्मिलित हुए। मैक्स हास्पिटल के स्वास्थ्य शिविर का भी पुस्तक प्रेमियों ने लाभ लिया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023